कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, ब्लॉक–भीण्डर (उदयपुर)

संकल्प – 2021
(एक अभिनव पहल)

प्रश्न बैंक

राजनीति विज्ञान

कक्षा – 12

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं
संख्यात्मक उन्नयन हेतु अभिनव
कार्ययोजना के तहत् निर्मित

संरक्षक

श्री शिवजी गौड़
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, उदयपुर

श्री मंयक मनीष, IAS
उपखण्ड़ अधिकारी
वल्लभनगर

मार्गदर्शन

श्री महेन्द्र कुमार जैन
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक भीण्डर, उदयपुर

श्री भेरूलाल सालवी
अति0 मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक भीण्डर, उदयपुर

श्री रमेश खटीक
अति0 मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक भीण्डर, उदयपुर

श्री गिरीश कुमार चौबीसा
सन्दर्भ व्यक्ति

श्री महेन्द्र कोठारी
सन्दर्भ व्यक्ति

–: संयोजक :–

श्री ललित कुमार आमेटा
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) राउमावि टूस डांगीयान

संकलनकर्ता प्राध्यापक

श्रीमती प्रेरणा आंचलिया, राउमावि अमरपुरा (खालसा)
श्री अनिल कुमार शर्मा, राउमावि बांसड़ा
पालीवाल, राउमावि भटेवर
श्री शंकरलाल डांगी, राउमावि धमानिया
श्री निरंजन पटवारी, राउमावि ढावा
श्री रईस मोहम्मद, राउमावि गुपड़ी
श्रीमती रूबीना बानो, राउमावि खेरोदा
श्री मदनलाल बलाई, राउमावि मजावड़ा
डॉ. बिहारीलाल नागदा, राउमावि नवानिया
श्री प्रतापसिंह चौहान, राउमावि पाणुदा
श्री राकेश कुमार आमेटा, राउमावि सांगरपुरा भीण्ड़र
श्री भरत कुमार व्यास, राउमावि बग्गड़
श्रीमती अभिलाथा व्यास, राउमावि पुरियाखेडी
श्री मोतीलाल मेघवाल, राउमावि बाठरड़ा कला श्रीमती धीरज
श्रीमती रंजना जैन, राउमावि दरोली
श्री गोवर्धनलाल सालवी, राउमावि धारता
श्रीमती चम्पा सिंगर, राउमावि करणपुर
श्रीमती संध्या पानेरी, राबाउमावि खेरोदा
श्री लोकेन्द्र सिंह, राउमावि लुणदा
श्री स्वराज रेगर, राउमावि मोतिदा
श्री सुरेश कुमार चौबीसा, राउमावि भैरव भी0
श्री गंगादीप चौधरी, राउमावि पीथलपुरा
श्रीमती प्रभावती शर्मा, राबाउमावि वल्लभनगर
श्री हवासिंह यादव, राउमावि वरणी

–: सहयोगकर्ता :–

श्री मनोज कुमावत
प्राध्यापक, राउमावि टूस डांगीयान

CBEO BHINDER

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

विषय : राजनीति विज्ञान विषय कोड : 11

कक्षा : 12वीं परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

इकाई संख्या	अध्याय संख्या	हटाया गया शीर्षक
		भाग–अ
1	–	प्रमुख अवधारणाएं
	3	धर्म
3	–	राजनीतिक विचारधाराएं
	1	उदारवाद
	2	समाजवाद
	3	मार्क्सवाद
	4	गांधीवाद
		भाग–ब
1	–	भारत का संविधान
	2	मूल अधिकार, नीति निर्देषक तत्व एवं म ूल कर्तव्य
2	2	संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति निर्वाचन एवं शक्तियां, प्रधानमंत्री स्थिति, कार्य
	4	राज्य स्तरीय एवं स्थानीय शासन, 73 वें एवं 74 वें संविधान संशोधन के सन्दर्भ में वर्तमान स्वरूप
3	2	क्षेत्रवाद एवं भाषा
4	3	भारत के पड़ौसी देशों से सम्बन्ध, पाकिस्तान, चीन व नेपाल
	4	क्षेत्रीय संगठन – आसियान, सार्क

CBEO BHINDER

परीक्षा 2021 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम

विषय : राजनीति विज्ञान कक्षा : 12वीं

खण्ड–(अ) राजनीति विज्ञान की मूल अवधारणाए

इकाई–1 प्रमुख अवधारणाएं 10

1. न्याय
2. शक्ति, सत्ता, वैधता
3. स्वतंत्रता एवं समानता

इकाई–2 आधुनिक राजनीतिक अवधारणाएं 10

1. राजनीतिक समाजीकरण
2. राजनीतिक संस्कृति
3. राजनीतिक सहभागिता

इकाई–4 भारतीय राजनीति के उभरते आयाम 20

1. नियोजन और विकास, नीति आयोग
2. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन
3. भारत और वैश्वीकरण
4. नवीन सामाजिक आन्दोलन –महिला आन्दोलन पर्यावरण संरक्षण आन्दोलन
5. सामाजिक और आर्थिक न्याय एवं महिला आरक्षण

खण्ड–(ब) भारत में शासन व लोकतंत्र

इकाई–1 भारत का संविधान 10

1. भारत के संविधान की विषेषताएं – प्रस्तावना
2. भारत की संघीय व्यवस्था के आधारभूत तत्व

इकाई–2 भारत में शासन 10

1. संसद,लोकसभा एवं राज्यसभा
2. हटाया गया
3. न्यायपालिका –सर्वोच्च न्यायालय का गठन, कार्य एवं न्यायिक पुनरावलोकन

इकाई–3 भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां 8

1. जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता
2. आतंकवाद, राजनीति का अपराधीकरण, भ्रष्टाचार
3. गठबन्धन की राजनीति

इकाई–4 भारत की विदेष नीति व संयुक्त राष्ट्र संघ 12

1. भारत की राजनीति की प्रमुख विषेषताएं, गुट निरपेक्षता
2. संयुक्त राष्ट्र संघ संगठन एवं विष्व शान्ति स्थापना में योगदान

प्रश्न बैंक

न्याय

प्रश्न 1 प्लेटो के अनुसार न्याय क्या है।
उत्तर प्रत्येक व्यक्ति की अपना निद्विष्ट कार्य करना और दुसरे के कार्यो में हस्तक्षेप नही करना
प्रश्न 2 प्लेटो ने न्याय सिद्वान्त की व्याख्या किस पुस्तक में की है।
उत्तर रिपब्लिक
प्रश्न 3 अधिकतम लोगो का अधिकतम सुख को ही न्याय का मूलमंत्र किसने माना है।
उत्तर जेरेंमी बेंथम
प्रश्न 4 न्याय को सामाजिक उपयोगिता का सब से महत्वपूर्ण तत्व किसने माना है।
उत्तर जॉन स्टुआर्ट मिल
प्रश्न 5 संतऑगस्टाइन ने ईश्वरीय राज्य में किसको अपरिहार्य तत्व माना है।
उत्तर न्याय को
प्रश्न 6 नियमों की अनुपालना को ही न्याय किसने माना है।
उत्तर डेविड ह्युम
प्रश्न 7 समानता को न्याय का मौलिक तत्व कौन मानते है।
उत्तर थॉमस एक्विनास
प्रश्न 8 अज्ञानता के पर्दे के सिद्वान्त का प्रतिपादन किसने किया
उत्तर जॉन रॉल्स
प्रश्न 9 ए थ्योरी ऑफ जस्टिस पुस्तक के लेखक कौन है।
उत्तर जॉन रॉल्स
प्रश्न 10 प्लेटो न्याय के कितने रूप मानता है।
उत्तर 1 व्यक्तिगत न्याय 2 सामाजिक न्याय
प्रश्न 11 अरस्तू ने न्याय के कितने प्रकार बताये
उत्तर 1 वित्तरणात्मक न्याय 2 सुधारात्मक न्याय
प्रश्न 12 मध्य काल में न्याय के दो प्रतिपादक कौन थे।
उत्तर 1 सन्त आगस्टाइन 2 थॉमस एक्विनास
प्रश्न 13 प्लेटो ने अपने न्याय सिद्वान्त मे समाज की कितनी श्रेणियॉ बताई है।
उत्तर प्लेटो ने अपने न्याय सिद्वान्त में समाज की तीन श्रेणिया बताई है।
1 शासकवर्ग 2 सैनिक वर्ग 3 उत्पादक वर्ग
प्रश्न 14 उपयोगितावाद के प्रवर्तक कौन है
उत्तर जैरेमी बेंथम
प्रश्न 15 प्लेटो ने मानवीय आत्मा में कितने तत्व बताये है।
उत्तर 1 बुद्वि 2 शौर्य 3 तृष्णा
प्रश्न 16 प्लेटो आत्मा के मानवीय सद्गुण को कौनसा न्याय मानता है।
उत्तर व्यक्तिगत न्याय
प्रश्न 17 संत आगस्टादन की पुस्तक का नाम बताइए
उत्तर द सिटी ऑफ गॉड
प्रश्न 18 आर्थिक विषमता की बात किस विचारक ने कही है।
उत्तर कार्ल मार्क्स ने
प्रश्न 19 जॉन रॉल्स के न्याय संबंधी दो विचार कौनसे है।
उत्तर 1 अधिकतम स्वतंत्रता प्रदान करना 2 सबके लिए कल्याणकारी स्थितियॉ
प्रश्न 20 पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन में न्याय की व्याख्या सर्व प्रथम किस विचारक ने की थी ।
उत्तर प्लेटो ने
प्रश्न 21 न्याय के विचार विमर्श में प्लेटो के राजनीतिक दर्शन के सभी तत्व निहित है यह कथन किसका है।
उत्तर इबेन्स्टीन
प्रश्न 22 जिन राज्यो में न्याय विधमान नही है। वे केवल चोर उचक्को की खरीद फरोख्त है यह कथन किसका है।
उत्तर सन्त आगस्टाइन
प्रश्न 23 न्याय के विविध रूप कौन कौन से है ।
उत्तर– 1 नैतिक न्याय 2 कानूनी न्याय 3 राजनीति न्याय

GEO FINDER

शक्ति,सत्ता और वैद्यता

प्रश्न 1 यूरोपीय चिन्तन में प्रथम शक्तिवादी विचारक किसे माना जाता है ।
उत्तर मैकियावली
प्रश्न 2 आधुनिक राजनीति विज्ञान के प्रमुख प्रवेता कौन है ।
उत्तर चार्ल्स मेरियम
प्रश्न 3 राजनीति विज्ञान को शक्ति के विज्ञान के रूप मे किसने परिभाषित किया ।
उत्तर कैटलिन ने
प्रश्न 4 "कौन,कब,क्या,कैसे प्राप्त करता है" पुस्तक के लेखक कौन है ।
उत्तर हैराल्ड लासवेल
प्रश्न 5 द वेब ऑफ गवर्मेंट" पुस्तक के लेखक कौन है ।
उत्तर मेकाइवर
प्रश्न 6 शक्ति बल प्रयोग की योग्यता है न कि उसका वास्तविक प्रयोग यह कथन किसके अनुसार है ।
उत्तर राबर्ट बायर्सटेड
प्रश्न 7 वर्ग प्रभुत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है ।
उत्तर कार्ल मार्क्स
प्रश्न 8 द माइण्ड एण्ड सोसायटी" पुस्तक के लेखक कौन है ।
उत्तर विल्फ्रड परेटो
प्रश्न 9 द रूलिंग क्लास" पुस्तक के लेखक कौन है ।
उत्तर गीतानो मोस्का
प्रश्न 10 समाज की सारी शक्ति किसी एक वर्ग के हाथमें न होकर अनेक समूह में बटी होती है –यह मान्यता है ।
उत्तर बहुलवादी सिद्वान्त की
प्रश्न 11 समान दो विरोधी वर्गो में बटा होता है –
1. बुर्जुआ वर्ग 2. सर्वहारा वर्ग – यह मान्यता है ।
उत्तर वर्ग प्रभुत्व सिद्वान्त की
प्रश्न 12 शक्ति के विभाजन का आधार लैगिंक है – यह मान्यता है ।
उत्तर नारीवादी सिद्वान्त में
प्रश्न 13 शक्ति के आधार पर समाज को दो वर्गो में बाटा गया किस सिद्वान्त मे है ।
1. विशिष्ट वर्ग जो शक्तिशाली है
2. सामान्य वर्ग जिसके ऊपर शक्ति प्रयुक्त होती है
उत्तर विशिष्ट वर्गीय सिद्वान्त में
प्रश्न 14 शक्ति के चार सिद्वान्त कौन कौन से है वर्णन करो ।
उत्तर प्रश्न 10,11,12,13, में उत्तर है
प्रश्न 15 शक्ति की कोई दो विशेषताएँ बताओ?
उत्तर 1. शक्ति दमनात्मक होती है
2. शक्ति का प्रयोग किसी भी व्यक्ति की इच्छा के विरूद्ध किया जा सकता है।
प्रश्न 16 शक्ति और बल में कोई दो अन्तर बताओं?
उत्तर 1. शक्ति प्रछन्न बल होती है, जबकि बल प्रकट शक्ति है
2. शक्ति अप्रकट तत्व है, जबकि बल प्रकट तत्व है।
प्रश्न 17 शक्ति और प्रभाव में कोई दो अन्तर बताओं?
उत्तर 1. शक्ति दमनात्मक होती है,जबकी प्रभाव मनोवेज्ञानिक होता है।
2. शक्ति अप्रजातान्त्रिक तत्व है, जबकि प्रभाव पूर्णतया प्रजातांत्रिक है।
प्रश्न 18 शक्ति के विविध रूपो का नामोल्लेख किजिए?
उत्तर 1. राजनीतिक शक्ति
2. आर्थिक शक्ति
3. विचारधारात्मक शक्ति
प्रश्न 19 सामान्य तथा राजनीतिक शक्ति का प्रयोग सरकार के कौन– कौन से अंक करते है?
उत्तर 1. व्यवस्थापिका
2. कार्यपालिका
3. न्यायपालिका

प्रश्न 20 "पॉलीटिकल पार्टीज" पुस्तक के लेखक कौन है ।
उत्तर राबट मिशेल्स
प्रश्न 21 "सत्ता आदेश पालन करने का आधिकार और आदेश पालन करवाने की शक्ति है "। यह कथन किसका है ।
उत्तर हैनरी फेयोल
प्रश्न 22 हिटलर व महात्मा गाँधी सत्ता के उदाहरण है?
उत्तर करिश्माई सत्ता
प्रश्न 23 परिवार में वृद्धजनोंकी प्राप्त सता किस प्रकार की सता होती है?
उत्तर परम्परागत सत्ता
प्रश्न 24 लेटिन भाषा कें शब्द "लेजिटीमश" का अर्थ है ।
उत्तर लॉफुल (वैधानिक)
प्रश्न 25 लोकतंत्र का मुख्य लक्षण कौनसा है?
उत्तर वैधता
प्रश्न 26 सत्ता पालन के दो लोकप्रिय आधार बताईये?
उत्तर 1 विश्वास
2. एक रूपता
प्रश्न 27 प्राचीन भारतीय चिंतक में शक्ति के विविध तत्वों की व्याख्या किन किन विद्धवानो द्वारा की गई?
उत्तर मनु , कोटिल्य , शुक्र
प्रश्न 28 मैक्स वेबर ने सत्ता के कितने रूप बताए है? उनके नाम लिखों ।
उत्तर 1. परम्परागत सत्ता
2. करिश्माई सत्ता
3. कानुन, तर्कसंगत सत्ता
प्रश्न 29 सता पालन के प्रमुख आधारों का उल्लेख करो?
उत्तर 1. विश्वास
2. एकरूपता
3. लोकहित
4. दबाव
प्रश्न 30 शिक्षक की सता किस प्रकार का उदाहरण है?
उत्तर कानुनी तर्क संगत सत्ता का उदाहरण है
प्रश्न 31 किस शासन व्यवस्था में वैद्यता का महत्व सर्वाधिक है ।
उत्तर लोकतंत्र में
प्रश्न 32 वैधता प्राप्त करने के प्रमुख साधन कौन कौनसे है ।
उत्तर 1. मतदान
2. जनमत
3. संचार के साधन
4. राष्ट्रवाद
प्रश्न 33 वैधता का आशय दैवीय उत्पति के स्थान पर लोगों की सहमति को किसने बताया ।
उत्तर हॉब्स, लॉक ,रूसों ने

स्वतन्त्रता एवं समानता

प्रश्न 1 ''स्वतंत्रता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मै इसे लेकर रहूँगा ।'' यह कथन किसका है?
उत्तर बाल गंगाधर तिलक का
प्रश्न 2 ''मनुष्य स्वतंत्र जन्म लेता है किन्तु वह सर्वत्र बंधनों में जकडा रहता है।'' यह कथन किसका है?
उत्तर रूसों का
प्रश्न 3 पुँजीवादी देशों में किस समानता का अभाव पाया जाता है?
उत्तर आर्थिक समानता का
प्रश्न 4 किस स्वतंत्रता को लोकतन्त्र की आत्मा कहा गया है?
उत्तर राजनीतिक स्वतंत्रता कों
प्रश्न 5 ''स्वतंत्रता की समस्या का एकमात्र समाधान समानता में निहित है।'' यह कथन किसका है?
उत्तर पोलार्ड का

CEOBHINDER

प्रश्न 6 कौनसा विचार स्वतंत्रता का मूलमंत्र माना जाता है?

उत्तर विधि का शासन

प्रश्न 7 किस स्वतंत्रता द्वारा आर्थिक विषमता दूर करने का प्रयास किया जाता है?

उत्तर आर्थिक स्वतंत्रता द्वारा

प्रश्न 8 किस समानता द्वारा समस्त नागरिकों को राज्य समुचित विकास के अवसर प्रदान करता है?

उत्तर अवसर की समानता द्वारा

प्रश्न 9 ''प्रतिबंधों का अभाव ही स्वतंत्रता है ।'' यह कथन किसका है?

उत्तर जे. एस. मिल का

प्रश्न 10 स्वतन्त्रता शब्द अग्रेंजी के किस शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है?

उत्तर लिबर्टी (LIBERTY)

प्रश्न 11 स्वतंत्रता के दो विचार कौनसे है?

उत्तर (1) बंधनों का अभाव तथा

(2) युक्ति युक्त बंधनों का होना

प्रश्न 12 स्वतंत्रता के बारे मे पेट्रिक हेनरी का प्रसिद्ध कथन क्या है?

उत्तर ''मुझे स्वतंत्रता दीजिए या मृत्यु।''–पेट्रिक हेनरी

प्रश्न 13 अवसरों की समानता' से क्या आशय है?

उत्तर राज्य अपने सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के व्यक्तित्व के विकास के लिए समान अवसर प्रदान करता है।

प्रश्न 14 समझौतावादी विचारक किस प्रकार की स्वतंत्रता के समर्थक थे?

उत्तर समझौतावादी विचारक प्राकृतिक स्वतंत्रता के समर्थक थे।

प्रश्न 15 स्वतंत्रता के मार्ग की दो प्रमुख बाधाएँ लिखिए?

उत्तर 1 अशिक्षा

2 गरीबी

प्रश्न 16 सांस्कृतिक समानता क्या है?

उत्तर राज्य द्वारा बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक वर्गो के साथ समानता का व्यवहार करना सांस्कृतिक समानता है।

प्रश्न 17 मानवाधिकार घोषणा पत्र समानता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा हुए है और वे अपने अधिकारों के विषय में भी स्वतंत्र व समान है ।

प्रश्न 18 व्यापक रूप में स्वतंत्रता की दो अवधारणाएँ क्या है?

उत्तर (1) नकारात्मक स्वतंत्रता तथा

(2) सकारात्मक स्वतंत्रता

प्रश्न 19 स्वतंत्रता के लिए दो आवश्यक शर्ते लिखिए?

उत्तर (1) व्यक्ति में निरन्तर जागरूकता

(2) स्वतन्त्र न्यायपालिका होना

प्रश्न 20 समानता के दो आधारभूत तत्व लिखिए?

उत्तर (1) समान लोगों के साथ समान व्यवहार हो।

(2) सभी लोगों को विकास के समान अवसर मिलें।

राजनीतिक समाजीकरण

1 **राजनीतिक समाजीकरण अवधारणा किस युद्ध के बाद सामने आयी ?**

उ. **द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद**

2 **राजनीतिक समाजीकरण किस की देन है ?**

उ. **व्यवहारवादी क्रांति की।**

3 **राजनीतिक समाजीकरण मूल रूप से किस विषय से सम्बंधित है ?**

उ. **समाजशास्त्र से।**

4 **राजनीतिक समाजीकरण की सर्वप्रथम व्याख्या किसने की ?**

उ. **हरबर्ट साइमन ने।**

5. **''पॉलिटिकल सोशलाइजेशन ''पुस्तक के लेखक कौन है ?**

उ. **हरबर्ट साइमन।**

6. राजनीतिक समाजीकरण के अंतर्गत बालक की प्रथम पाठशाला है ?

उ. परिवार।

7. बालक का राजनीति के प्रति प्रारंभिक विकास किस संस्था में होता है ?

उ. परिवार में।

8. परिवार के बाद बालक की राजनीति के प्रति जिज्ञासाओं का समाधान किस संस्था में होता है?

उ. विद्यालय में।

9. विधार्थी का राजनीतिक समाजीकरण किस संस्था में होता है ?

उ. विद्यालय में।

10. अन्त: अनुशासनात्मक उपागम किस बात पर बल देता है ?

उ. एक विषय का अन्य विषयों के साथ पारस्परिक अध्ययन पर बल।

11. समाजीकरण क्या है ?

उ. ऐसी प्रक्रिया जिससे एक बालक समाज के सामाजिक मूल्यों को सीखकर समाज का एक क्रियाशील सदस्य बनता है।

12. राजनीतिक समाजीकरण से क्या अभिप्राय है ?

उ. जिस प्रक्रिया के द्वारा व्यक्ति राजनीति के प्रति अपना ज्ञान प्राप्त करता है।

13. राजनीतिक समाजीकरण की एक परिभाषा लिखो ?

उ. राजनीतिक संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया।

14. राजनीतिक समाजीकरण के सम्बन्ध में प्रमुख विचारक कौन-कौन है ?

उ. हरबर्ट साइमन, कावानाघ, आमंड और पावेल।

15. राजनीतिक समाजीकरण की आमंड एवं पावेल की परिभाषा लिखो।

उ. "जिस प्रक्रिया से व्यक्ति को राजनीतिक संस्कृति में प्रवेश कराया जाता है"।

16 राजनीतिक समाजीकरण की कावानाघ की परिभाषा लिखो।

उ. "जिस प्रक्रिया से व्यक्ति राजनीति से सम्बंधित ज्ञान प्राप्त करता है"।

17. भारत में राजनीतिक समाजीकरण का मुख्य आदर्श क्या है ?

उ. नागरिको को लोकतंत्र एवं स्वतंत्र समाज के प्रति निष्ठावान बनाना।

18. राजनीतिक समाजीकरण के साधनों के नाम लिखो।

उ. 1.परिवार 2.शिक्षण संस्थाए 3.राजनीतिक दल 4. राष्ट्रीय प्रतीक 5. जनसंचार के साधन।

19. जनसंचार साधनों के नाम लिखो।

उ. 1. समाचार पत्र 2. टी.वी. 3. रेडियो 4. मोबाईल फोन।

20. किसी देश के नागरिको एवं सरकार के मध्य विवाद का मूल कारण क्या है ?

उ. राजनीतिक समाजीकरण का स्तर कम होना।

राजनीतिक संस्कृति

प्रश्न 1 राजनीतिक संस्कृति को विकासशील देशों के सन्दर्भ में सर्वप्रथम अवधारणा के रूप में प्रतिपादित करने वाले विचारक कौन थे?

उत्तर आमण्ड और पॉवेल।

प्रश्न 2 एलन बॉल की राजनीतिक संस्कृति पर आधारित पुस्तक का क्या नाम है?

उत्तर आधुनिक राजनीति और सरकार।

प्रश्न 3 राजनीतिक संस्कृति उपागम की शुरूआत किस दशक में हुई?

उत्तर 1950–60

प्रश्न 4 किस राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष और विरोध की संभावना नहीं होती है?

उत्तर सर्वाधिकारवादी व्यवस्था।

प्रश्न 5 राजनीतिक संस्कृति एवं लोकतन्त्र के मध्य सम्बन्धों पर सबसे महत्वपूर्ण आनुभाविक अनुसन्धान किसका है?

उत्तर गेब्रियल आमण्ड एवं सिडनी वर्बा।

प्रश्न 6 किस विद्वान ने सत्ता में सैन्य भूमिका के आधार पर राजनीतिक संस्कृति का वर्गीकरण किया है?

उत्तर फाइनर ने।

प्रश्न 7 आमण्ड ने कितने प्रकार की राजनीतिक संस्कृति का उल्लेख किया है?

उत्तर 4

प्रश्न 8 राजनीतिक संस्कृति के किन्हीं दो निर्धारित तत्वों का नाम लिखिए।

उत्तर 1.इतिहास

2.धार्मिक विश्वास

प्रश्न 9 किस देश की राजनीतिक संस्कृति वहाँ की राजनीतिक निरन्तरता का परिणाम है?

उत्तर इग्लैण्ड की।

प्रश्न 10 राजनीतिक संस्कृति की कोई दो विशेषताएँ बताइए?

उत्तर 1.नवीन एवं प्राचीन मूल्यों में समन्वय करने की प्रवृति

2.नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पण

प्रश्न 11 आमण्ड व सिडनी वर्बा ने किन–किन देशों के लोकतन्त्र की स्थिरता व अस्थिरता पर राजनीतिक संस्कृति के प्रभावों का विश्लेषण किया था?

उत्तर ब्रिटेन,जर्मनी,इटली,संयुक्त राज्य अमेरिका एवं मेक्सिको।

प्रश्न 12 अभिजन संस्कृति से क्या आशय हैं?

उत्तर सत्ता में रहते हुए सरकारी निर्णयों के सहभागी एवं उत्तरदायी वर्ग की संस्कृति को अभिजन संस्कृति कहते हैं।

प्रश्न 13 आमण्ड के अनुसार राजनीतिक संस्कृति के कोई दो प्रकार लिखिए?

उत्तर 1. आंग्ल अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था

2. सर्वाधिकारवादी राजनीतिक व्यवस्था

प्रश्न 14 पूर्व औद्योगिक राजनीतिक व्यवस्था में आमण्ड ने किन–किन देशों को सम्मिलित किया है?

उत्तर पूर्व औद्योगिक राजनीतिक व्यवस्था में आमण्ड ने एशिया एवं अफ्रिका के पूर्व उपनिवेशवादी देशों को सम्मिलित किया गया हैं।

प्रश्न 15 राजनीतिक संस्कृति के मुख्य विचारक कौन–कौन से हैं?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति के मुख्य विचारक सिडनी वर्बा,आमण्ड एण्ड पॉवेल,एलेन बॉल लुसियन पाई है।

प्रश्न 16 राजनीतिक संस्कृति को राजनीतिक शैली किसने कहा है?

उत्तर स्पिरो।

प्रश्न 17 राजनीतिक संस्कृतिको 'पर्यावरण' किसने कहा है?

उत्तर डेविड ईस्टन।

प्रश्न 18 आमण्ड और वर्बा के अनुसार राजनीतिक संस्कृति कितने प्रकार की होती है?

उत्तर 1. संकीर्ण संस्कृति

2. अधीन/प्रजाभावी

3. सहभागी संस्कृति

प्रश्न 19 राजनीतिक संस्कृतिके दो प्रमुख घटकों के नाम बताइए?

उत्तर 1. अभिमुखीकरण

2. राजनीतिक विषय

प्रश्न 20 सर्वाधिकारवादी राजनीतिक व्यवस्था पर आधारित दो देशों के नाम लिखिए?

उत्तर 1. चीन

2. उत्तर कोरिया

प्रश्न 21 राजनीतिक संस्कृतिको आमण्ड ने किस नाम से उद्धृत किया?

उत्तर कार्य के प्रति अभिमुखीकरण।

प्रश्न 22 राजनीतिक संस्कृति का महत्व किस दृष्टि से सर्वाधिक उपयोगी है?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति का महत्व राजनीतिक संस्थाओं के तुलनात्मक अध्ययन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 23 लुसियन पाई ने राजनीतिक संस्कृति की क्या परिभाषा दी है?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति का सम्बन्ध अभिवृतियों, विश्वासों एवं भावनाओं के समूह से है जो राजनीतिक प्रक्रिया को व्यापकता एवं सार्थकता प्रदान करते हैं और ऐसे अन्तर्निहित विचार एवं नियम प्रदान करते है जो राजनीतिक व्यवस्था में व्यवहार को नियंत्रित करते हैं।

प्रश्न 24 राजनीतिक संस्कृति गतिशील होती है, कैसे?

उत्तर राजनीतिक व्यवस्था मानव के राजनीतिक व्यवहार का परिणाम है और यह राजनीतिक व्यवहार गतिशील होता है, अतएव राजनीति संस्कृति भी स्थिर न होकर गतिशील होती हैं।

प्रश्न 25 आमण्ड और पॉवेल ने राजनीतिक संस्कृति किसे माना है?

उत्तर आमण्ड और पॉवेल ने व्यक्ति में राजनीतिक उद्देश्यों के प्रति जागृति और उसके अनुरूप कार्यों के निष्पादन को ही राजनीतिक संस्कृति माना है।

GEO BHINDER

प्रश्न 26 आमण्ड और पॉवेल के अनुसार राजनीतिक संस्कृति के कितने परिवर्त्यों (नियामक तत्वों) को माने गये है?

उत्तर आमण्ड और पॉवेल ने राजनीतिक संस्कृति के तीन परिवर्त्य माने हैं–

1. ज्ञानत्मक अभिमुखीकरण
2. भावनात्मक अभिमुखीकरण
3. मूल्यांकनात्मक अभिमुखीकरण

प्रश्न 27 राजनीतिक संस्कृति के निर्धारण में धर्म की क्या भूमिका है?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति के निर्धारण में धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धर्म इस बात का भी निर्धारण करता है कि समाज की राजनीतिक व्यवस्था एवं संस्थाएँ किस प्रकार की होंगी।

प्रश्न 28 कौन से भौगोलिक तत्व राजनीतिक संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

उत्तर देश की स्थिति एवं विस्तार, उपलब्ध संसाधन तथा जनसंख्या की प्रकृति आदि, उस देश की राजनीतिक, संस्कृति के निमार्ण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न 29 राजनीतिक संस्कृति की जानकारी में कौन–कौन से कारक योगदान करते हैं?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति की जानकारी में किसी समाज की परम्पराओं, सामाजिक संस्थाओं, नागरिकों की आकांक्षाओं, उनका सामूहिक विवेक, नेताओं के तरीकों तथा उनके सक्रिय होने के नियमों आदि का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

प्रश्न 30 राजनीतिक संस्कृति और लोकतंत्र के सम्बन्धों पर सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक कब और किसने लिखी?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति और लोकतंत्र के सम्बन्धों पर सबसे महत्वपूर्ण आनुभाविक अनुसंधान गेब्रियल आमण्ड और सिडनी वर्बा द्वारा 1963 में लिखित पुस्तक 'दि सिविक कल्चर–पोलिटिकल एटीट्यूड एण्ड डेमोक्रेसी इन फाइव नेशन्स' में प्रस्तुत किया गया।

प्रश्न 31 फाइनर ने राजनीतिक संस्कृति को कितने भागों में बांटा है?

उत्तर फाइनर ने राजनीतिक संस्कृति को चार भागो में बांटा है:–

1. परिपक्व
2. विकसित
3. निम्न
4. न्यूनास्तरीय

प्रश्न 32 वाइसमैन ने राजनीतिक संस्कृतियों को किस प्रकार वर्गीकृत किया है?

उत्तर वाइसमैन ने राजनीतिक संस्कृतियों का वर्गीकरण निम्नालिखित प्रकार से किया है:–

1. विशुद्ध राजनीतिक संस्कृति– संकुचित, पराधीन तथा सहभागी।
2. मिश्रित राजनीतिक संस्कृति– संकुचित पराधीन, सहभागी, संकुचित सहभागी।

प्रश्न 33 राजनीतिक संस्कृति क्या है?

उत्तर राजनीतिक संस्कृति से आशय राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्रीय अवधारणा है। राजनीतिक संस्कृति का निर्माण किसी भी राजनीतिक व्यवस्था के सदस्यों की उस राजनीतिक व्यवस्था के प्रति अभिवृतियों, विश्वासों, प्रतिक्रियाओं और अपेक्षाओं तथा सम्पूर्ण राजनीति व्यवहार से होता है। राजनीतिक संस्कृति उस व्यापक सामान्य संस्कृति का भाग है जिसमें समाज के सदस्य अपने मूल्यों, भावनात्मक मनोवृतियों, विश्वासों और भावनाओं को संचारित करते हैं।

प्रश्न 34 आमण्ड ने राजनीतिक व्यवस्थाओं के आधार पर कितने प्रकार की राजनीतिक संस्कृति बतायी है?

उत्तर 1. आंग्ल अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था
2. महाद्वीपीय यूरोपीय राजनीतिक व्यवस्था
3. गैर पश्चिमी अथवा पूर्व औद्योगिक राजनीतिक व्यवस्था
4. सर्वाधिकारवादी राजनीतिक व्यवस्था

राजनीति सहभागिता

प्रश्न 1 राजनीति सहभागिता और प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का विश्व में कौनसा देश अग्रणी लोकतांत्रिक की श्रेणी में आता है?

उत्तर स्विटजरलैण्ड।

प्रश्न 2 राजनीति सहभागिता से क्या तात्पर्य है?

उत्तर राजनीति सहभागिता में सम्पूर्ण भागीदारी जनता की होती है।

प्रश्न 3 राजनीति सहभागिता के स्वरूप कौन कौन से है?

उत्तर दो स्वरूप होते है। 1. विकास परक
2. लोकतांत्रिक।

प्रश्न 4 राजनीति सहभागिता में जनता की अप्रत्याशित वृद्वि किस कारण से सम्भव हुई है?

उत्तर सोशल मीडिया के कारण।

प्रश्न 5 सशक्त सहभागी लोकतंत्र की पुरजोर वकालात किसने की?

उत्तर बैंजामिन बार्बर ने ।

प्रश्न 6 राजनीति सहभागिता में शिक्षा का क्या महत्व है?

उत्तर साक्षरता का प्रतिशत अधिक होने पर ।

प्रश्न 7 राजनीति सहभागिता में साधारण नागरिको की भुमिका कैसी हैं?

उत्तर बहुत सीमित, अल्पकालिन या नाम मात्र की होती है।

प्रश्न 8 किस लेखक ने लोकतंत्र की तीखी आलोचना की हैं?

उत्तर रॉबर्ट डहल ।

प्रश्न 9 सामुदायिक गतिविधि किस प्रकार राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करती हैं?

उत्तर नागरिक जलसे जुलूस, विरोध प्रदशर्न, हड़ताल, धरने ।

प्रश्न 10 राजनीति सहभागिता में सरकार ओर नागरिकों के बीच सक्रियता किस की होती हैं?

उत्तर दोनों की एक पक्ष क्रिया करता है तो दुसरा उसका प्रत्यूत्तर देता है।

प्रश्न 11 आरम्भक से क्या तात्पर्य है?

उत्तर संविधान संशोधन का प्रारूप तैयार कर विधानमण्डल के पास भेजना।

प्रश्न 12 निर्वाचित प्रतिनिधि को वापस बुलाना किस अभिकरण का हिस्सा हैं?

उत्तर प्रत्याह्ववान अभिकरण।

प्रश्न 13 जनसुनवाई से कहॉ कहॉ राजनीतिक सहभागिता निभाई जाती हैं?

उत्तर प्रशासन द्वारा गॉवों/शहरों में विकास कार्य हेतु कार्यक्रम आयोजित करना।

प्रश्न 14 सरकार अपने विभागों में जुड़ें कार्यों को करने के लिए विशेष पक्षो को सलाह देने लिए कौनसा संगठन बनाती हैं?

उत्तर सलाहकार परिष्द।

प्रश्न 15 सविनय अवज्ञा क्या हैं?

उत्तर सरकार का ध्यान अपनी और लाने के लिए जान बुझकर कानुन तोड़ना एवं स्वेच्छा से गिरफ्तारी देना।

प्रश्न 16 विरोध प्रदर्शन का उग्र रूप करना क्या कहलाता हैं?

उत्तर राजनीतिक प्रतिहिंसा।

प्रश्न 17 राजनीति सहभागिता के किन्हीं दो अभिकरणों के नाम लिखिये?

उत्तर 1. दबाव समूह

2. जन सुनवाई।

प्रश्न 18 राजनीति सहभागिता का सुत्रपात किन विचारकों ने किया?

उत्तर व्यवहारवादी।

नियोजन एवं विकास नीति आयोग

प्रश्न 1 चिंता के समाधान हेतु मनुष्य क्या करते हैं

उत्तर चिंता के समाधान हेतु मनुष्य चिंतन करते है।

प्रश्न 2. मनुष्य के भविष्य की योजनाएं किसमें निहित हैं?

उत्तर चिंतन में उसके भविष्य की योजनाएं निहित है।

प्रश्न 3. राष्ट्रों का कौनसे कदम उठाने होते हैं?

उत्तर राष्ट्रों को अपनी वर्तमान व भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के कदम उठाने होते हैं।

प्रश्न 4. सर्वप्रथम कब व किस देश ने नियोजन को स्वीकार किया?

उत्तर 1928 में सर्वप्रथम सोवियत रूस ने नियोजन को स्वीकार किया।

प्रश्न 5. हमारे देश में नियोजन के किस स्वरूप को स्वीकार किया गया?

उत्तर हमारे देश में नियोजन को योजना आयोग के रूप में स्वीकार किया गया है।

प्रश्न 6. भारत में सरकार द्वारा योजना आयोग का गठन कब किया गया?

उत्तर भारत में सरकार द्वारा योजना आयोग का गठन 1950 में किया गया।

प्रश्न 7. नियोजन क्या हैं?

उत्तर सोच–समझकर सही दिशा में उठाया गया प्रथम कदम ही नियोजन है।

प्रश्न 8. भारत में नियोजन तथा विकास की दिशा में प्रथम प्रयास कब किया गया?

उत्तर 1934 में प्रथम प्रयास किया गया।

प्रश्न 9. प्लान्ड इकॉनोमी फोर इंडिया के लेखक कौन हैं?

उत्तर एम. विश्वेश्वरैया।

प्रश्न 10. गरीब व अमीर के मध्य आर्थिक आधार पर दूरियां कम करना किसका उद्वेश्य हैं?

उत्तर गरीब व अमीर के मध्य आर्थिक आधार पर दूरियां कम करना नियोजन का उद्वेश्य हैं।

प्रश्न 11. नियोजन का प्रमुख उद्वेश्य क्या हैं?

उत्तर सामाजिक उन्नति

प्रश्न 12. जनकल्याण के कार्यो को करने की क्षमताएं किससे विकसित होती हैं?

उत्तर नियोजन से

प्रश्न 13. भारत में नियोजन की प्रकृति कैसी रही हैं?

उत्तर उतार–चढ़ाव वाली रही है।

प्रश्न 14. आर्थिक क्षेत्र में नियोजन का लक्ष्य क्या हैं?

उत्तर राष्टीय विकास।

प्रश्न 15. नियोजन का लक्ष्य अन्तिम व्यक्ति का विकास किसने माना है?

उत्तर महात्मा गांधी

प्रश्न 16. 'सबका साथ सबका विकास' नारा किसने दिया?

उत्तर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रश्न 17. योजना आयोग के स्थान पर विकास के नियोजित प्रयासों का नेतृत्व कौन कर रहा हैं?

उत्तर 'नीति आयोग'

प्रश्न 18. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?

उत्तर प्रधानमंत्री

प्रश्न 19. 'नीति आयोग' के सदस्य कौन होते हैं

उत्तर समस्त राज्यों के मुख्यमंत्री ,केन्द्रशासित प्रदेश जहां विधानसभाएं हैं के मुख्यमंत्री ,केन्द्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल।

प्रश्न 20. नीति आयोग के वर्तमान उपाध्यक्ष कौन हैं?

उत्तर डॉ. राजीव कुमार।

प्रश्न 21. नीति आयोग का गठन कब किया गया है?

उत्तर 01 जनवरी 2015 को

प्रश्न 22 सरकार के थिंक टैंक के रूप में कौन सा आयोग कार्य करता है

उत्तर नीति आयोग

प्रश्न 23 नीति आयोग का विजन क्या है ।

उत्तर प्रधानामंत्री और मुख्य मंत्रीयों को राष्ट्रीय एजेन्डा का प्रारूप तैयार कर सौंपना ।

प्रश्न 24 राष्ट्र की समृद्धि का प्रतिक क्या है ।

उत्तर अच्छा नियोजन

प्रश्न 25 नीति आयोग ृकि स्थापना का क्या उदेश्य क्या है ।

उत्तर सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और संघवाद को बढाना

CBEO BHINDER

पर्यावरण संरक्षण

1. प्रथम पृथ्वी शिखर सम्मेलन का आयोजन कब व कहां किया गया?

उत्तर 1992, रियोडिजनेरियो (ब्राजील)

2. पृथ्वी दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर 22 अप्रेल

3. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर 22 मार्च

4. विश्व पर्यावरण दिवस कब मानाया जाता है?

उत्तर 5 जून

5. विश्नोई समाज के पर्यावरण संरक्षण हेतू बलिदान की घटना किस गांव में व कब हुई?

उत्तर खेजड़ली (जोधपुर) 1730

6. विश्नोई समाज की किस महिला ने सबसे पहले वृक्ष रक्षा हेतू अपने प्राणों की आहूति देदी?

उत्तर अमृता देवी

7. विश्व ओजोन दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर 16 सितम्बर

8. जलवायु परिवर्तन पर विष्व स्तर पर पहला सम्मेलन कब व कहां आयोजित किया गया?

उत्तर स्टॉकहोम, 1972

9. वन महोत्सव कब मनाया जाता है?

उत्तर 28 जूलाई

10. वन्य जीव संरक्षण अधिनियम कब पारित किया गया?

उत्तर 1972 में

11. ग्लोबल वार्मिंग के दो प्रभाव लिखिए।

उत्तर 1. वातावरण का बढता तापमान

2. समुद्र सतह में लगातार वृद्धि

12. ग्लोबल वार्मिंग रोकने के दो उपाय लिखिए।

उत्तर 1. अधिकाधिक वृक्षारोपण

2. कार्बनिक ईंधन के प्रयोग में कमी लाई जाऐ।

13. कौनसे नीति निदेशक तत्वों में पर्यावरण सुधार व संरक्षण की बात कही गई है?

उत्तर 48 वां

14. भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम कब पारित किया गया?

उत्तर 1986

15. **UNFCC**का 2015 का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कहां आयोजित किया गया?

उत्तर पेरिस

16. राजस्थान की दो पन बिजली परियोजनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर 1. चम्बल परियोजना

2. माही–बजाज परियोजना

17. आणविक ऊर्जा मे काम में आने वाले मुख्य रासायनिक तत्व का नाम लिखिए।

उत्तर 1. यूरेनियम

2. थोरियम

18. वन्य जीव संरक्षक अधिनियम 1972 की मुख्य दो विशेषताऐ लिखिए।

उत्तर 1. पशु शिकार उनके चमड़े व चमडे से बनी वस्तुऐ निषिद्ध करना

2. अवैद्य आखेट की रोकथाम, वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करना।

19. दो ग्रीन हाउस गैसो के नाम लिखिए।

उत्तर 1. कार्बनडाई आक्साईड

2. क्लोरों फ्लारों कार्बन

CBEOBHINDER

भारत और वैश्वीकरण

प्रश्न 1. वैश्वीकरण क्या है?

उत्तर वैश्वीकरण पूरे विश्वको एक गाँव बनाने की बात करता है। (एक राष्ट्र हो)।

प्रश्न 2. वैश्वीकरण का क्या अभिप्राय है?

उत्तर "उन्मुक्त बाजार एवं प्रति स्पर्द्धा, राष्ट्रीय बाजारों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में परिवर्तित करना।

प्रश्न 3. निजीकरण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर आर्थिक क्रियाओं में सरकारी हस्तक्षेप को धीरे–धीरे कम किया जाए तथा प्रति स्पर्धा पर आधारित निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जाए।

प्रश्न 4. वैश्वीकरण का मुख्य कारण क्या है? अथवा वैश्वीकरण को अस्तित्व में लाने वाला प्रमुख कारक कौनसा है?

उत्तर प्रोद्योगिकी को वैश्वीकरण का मुख्य कारक माना जाता है।

प्रश्न 5 W.T.O. का पूरा नाम क्या है?

उत्तर World Trade Organization (विश्व व्यापार संगठन) है?

प्रश्न 6. वैश्वीकरण की दो विशेषताएँ लिखिए।

1 भौगोलिक दूरियों का सिमट जाना।

2 ग्लोबल संस्कृति की स्थापना।

प्रश्न 7. उदारीकरण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर विभिन्न स्तरों पर नियन्त्रण समाप्त करने,आर्थिक गतिविधियों में राज्य के हस्तक्षेप को कम करने तथा राजकीय सहायता को धीरे–धीरे कम करके समाप्त करने से है।

प्रश्न 8. भारत में वैश्वीकरण का सूत्रपात (आरम्भ) कब व किसने किया?

उत्तर भारत में वैश्वीकरण का सूत्रपात जुलाई 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने किया।

प्रश्न 9. वैश्वीकरण का सर्वाधिक प्रभाव किन देशों पर पड़ा?

उत्तर वैश्वीकरण का सर्वाधिक प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ा।

प्रश्न 10. G.A.T.T.का पूरा नाम क्या है?

उत्तर G.A.T.T.का पूरा नाम "जनरल एग्रीमेंन्ट ऑनट्रेड एण्ड टेरिफ" है।

प्रश्न 11. G.A.T.T.की स्थापना कौन से सम्मेलन के दौरान हुई?

उत्तर G.A.T.T.की स्थापना ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के दौरान हुई।

प्रश्न 12. वैश्वीकरण का जीवन प्रत्याशा पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर वैश्वीकरण के कारण जीवन प्रत्याशा दोगुनी हो गई है।

प्रश्न 13. वैश्वीकरण के प्रमुख प्रभाव क्या रहे हैं?

उत्तर वैश्वीकरण के प्रमुख प्रभाव निम्न रहे हैं–

1 राजनैतिक प्रभाव।
2 आर्थिक प्रभाव।
3 सांस्कृतिक प्रभाव।

प्रश्न 14. वैश्वीकरण के आर्थिक पक्ष के बारे में बताइये।

उत्तर वैश्वीकरण के अन्तर्गत प्रत्येक देश ने अपना बाजार विदेशी वस्तुओं की बिक्री के लिए खोल दिया है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 15. वैश्वीकरण के कोई चार लाभ बताइये।

उत्तर वैश्वीकरण के चार लाभ निम्न है–

1. वैश्वीकरण विकासशील देशों के लिये लाभदायक है
2. यह तीव्र औद्योगिक विकास में सहायक है।
3. यह सामाजिक विषमताएँ कम करने में सहायक है
4. यह मानवीय मुल्यों को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देता है।

प्रश्न 16. वैश्वीकरण से कोई चार हानियाँ बताइये।

उत्तर वैश्वीकरण से चार हानियाँ निम्न है–

1. इससे राज्यों की संप्रभुता का क्षरण होता है।
2. इससे पर्यावरण समस्याएँ बढ़ती है।
3. इससे सामाजिक असमानता तथा क्षेत्रीय विषमता में वृद्धि होती है।
4. इससे (वैश्वीकरण से) भूमण्डलीय पूँजीवादी व्यवस्था को बढावा मिलता है।

CEO CHINDER

प्रश्न 17. वैश्वीकरण के राजनीतिकप्रभावों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव निम्न है–

1. तकनीकी दृष्टि से सुदृढ़ राष्ट्रों का जीवन स्तर बढ़ा है।
2. सूचनाओ के तीव्र आदान–प्रदान से नागरिकों का जीवन सहज हुआ है।
3. वैश्वीकरण राष्ट्र–राज्यों को कमजोर बना रहा है।
4. राष्ट्रीय राज्य की अवधारणा में परिवर्तन आया है।
5. पूर्व तथा पश्चिम के बीच शक्ति सन्तुलन की लडाई के स्थान पर शान्ति, रक्षा, विकास, पर्यावरण सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपराधिक न्यायालय जैसी कानूनी संस्थाओं का सृजन हुआ है।

प्रश्न 18. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

उत्तर वैश्वीकरण के आर्थिकप्रभाव–

1. वैश्वीकरण का सर्वाधिक प्रभाव विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ा है।पश्चिम के देश एशिया एवं अफ्रीका में अपने बाजार तलाश रहा है।
2. प्रत्येक देश ने अपना बाजार विदेशी वस्तुओं के लिये खोल दिया है।
3. वैश्वीकरण से अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक ने अपनी नीतियों में परिवर्तन किया है।
4. पूर्व एवं पश्चिम के राष्ट्रों में शक्ति सन्तुलन का विकास हुआ है।
5. आयात–निर्यात के नियमों में शिथिलता आई है।
6. वस्तुओं और पूँजी का प्रवाह तीव्र गति से हो रहा है।

प्रश्न 19. सांस्कृतिक प्रवाह बढाने वाले माध्यम कौन–कौनसे है?

उत्तर सांस्कृतिक प्रवाह बढाने वाले माध्यम निम्न है–

1. **सूचनात्मक सेवाएँ**–
   - इन्टरनेट व ई–मेल से सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जाता है।
   - इलेक्ट्रानिक क्रान्ति ने सूचनाओं को जन तांत्रिक बना दिया है।
   - विचारों व अवधारणों के आदान प्रदान को आसान बनाया है।
2. **समाचार सेवाएँ**–
   - अत्तर्राष्ट्रीय चैनलों का विश्वव्यापी प्रसारण हो रहा है।जिसने वैश्वीकरण को अधिक प्रभावशाली बना दिया हैं

प्रश्न 20. भारत पर वैश्वीकरण का प्रभाव बताइये।

उत्तर भारत पर वैश्वीकरण का प्रभाव–

1. सकारात्मक प्रभाव–

- भारत के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने प्रोद्योगिकी का प्रयोग कर औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि की है।
- वैश्वीकरण से भारत में नये–नये उद्योगों की स्थापना हुई है।
- नये रोजगार के अवसर प्राप्त हुए है।
- लोकतान्त्रिक उत्तरदायित्व में वृद्धि हुई है।
- विदेशी पूँजी का आगमन हुआ है जिससे भारत में सड़क, रेलवे, विमान सेवा, मेट्रो सेवा का विस्तार हुआ है।

2. नकारात्मक प्रभाव–

- बहुराष्ट्रीय निगम की प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय उद्यम, लधु, कुटीर उद्योग समाप्त होते जा रहे हैं।
- बहुराष्ट्रीय कम्पनी मुनाफा अपने मूल देश में ही निर्यात कर काम में लेती हैं।
- इससे उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ावा मिला है
- विदेशी कम्पनियाँ अपने कर्मचारी को अधिक वेतन व सुविधा देकर आर्थिक असमानता को बढावा दे रही है।
- इससे हमारी संस्कृति भी प्रभावित हुई है। अंग्रेजी रहन–सहन, वेशभूषा, और अंग्रेजी पेय हमारी जीवन का हिस्सा बनते जा रहे है।
- राज्य की संप्रभुता में कमी आई है।

नवीन सामाजिक आन्दोलन

प्रश्न 1. किसी एक श्रमिक संघ का नाम बताइए?

उत्तर भारतीय मजदूर संघ

प्रश्न 2. शेतकारी संगठन किस राज्य में सक्रिय है–

उत्तर महाराष्ट्र

प्रश्न 3. जन आन्दोलन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर लोगों की समस्या या जनहित को लेकर चलाये जाने वाले आन्दोलन को जन आन्दोलन कहते हैं।

प्रश्न 4. नर्मदा बचाओ आन्दोलन बचाओ आन्दोलन का सम्बन्ध किससे है?

उत्तर नर्मदा नदी पर बनने वाले छोटे व बड़े बाँधों के निर्माण को रोकने से सम्बन्धित है।

प्रश्न 5. विकास परियोजनाओं के विरूद्ध उठ खड़े हुए किन्हीं दो आन्दोलनों के नाम बताइए?

उत्तर 1. नर्मदा बचाओ आन्दोलन
2. टिहरी बाँध परियोजना के विरूद्ध आन्दोलन

प्रश्न 6. सामाजिक आन्दोलन क्या है?

उत्तर यह एक सामूहिक सामाजिक क्रिया है, जिसका उद्देश्य वंचित समूहों के हितों की रक्षा करना और उनका संवर्द्धन करना है।

प्रश्न 7. सामाजिक आन्दोलनों को मुख्यतः कितनी श्रेणियों में विभक्त किया गया है–

उत्तर 4

प्रश्न 8. सामाजिक आन्दोलनों को मुख्यतः कौन–कौनसी श्रेणियों में विभक्त किया गया है–

उत्तर 1. क्रांतिकारी 2. सुधारवादी
3. उपचारवादी 4. वैकल्पिक

प्रश्न 9. क्रांतिकारी सामाजिक आन्दोलन क्या हैं?

उत्तर ये प्रचलित सामाजिक संस्थानों और व्यवस्थाओं में आमूल परिवर्तन के पक्षधर होते हैं। जैसे– नक्सलवादी व वामपंथी आन्दोलन।

प्रश्न 10. सुधारवादी सामाजिक आन्दोलन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर ये प्रचलित असमानताओं, सामाजिक समस्याओं के धीरे–धीरे सुधार के हिमायती होते हैं। जैसे– बेटी बचाओ आन्दोलन।

प्रश्न 11. उपचारवादी सामाजिक आन्दोलन किससे सम्बन्धित होते हैं?

उत्तर ये किसी एक व्यक्ति विशेष या समस्या पर केन्द्रित होते हैं और उस समस्या से मुक्ति दिलाने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 12. वैकल्पिक सामाजिक आन्दोलन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर ये सम्पूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवस्था में बदलाव लाकर एक विकल्प स्थापित करने की बात करते हैं। जैसे– नारीवादी आन्दोलन।

प्रश्न 13. भारत में सामाजिक आन्दोलन का अर्थ स्पष्ट करते हुए इनका श्रेणीवार विभाजन कीजिए।

उत्तर (प्रश्न सं. 6 से 12 तक के उत्तर को समेकित रूप से लिखिए।)

प्रश्न 14. नव सामाजिक आन्दोलन क्या है?

उत्तर एक नयी व्यवस्था अथवा पुरानी व्यवस्था में परिवर्तन के लिए सचेतन सामूहिक और संगठित मानव प्रयास है।

प्रश्न 15. नव सामाजिक आन्दोलन की प्रवृत्ति क्या है?

उत्तर ये विचारधारात्मक, विविधता पर आधारित, मुद्दा केन्द्रित आन्दोलन होते हैं, जो दलगत राजनीति से अपनी तटस्थता को रेखांकित करते हैं।

प्रश्न 16. भारत में कौन–कौनसे नव सामाजिक आन्दोलन सक्रिय हैं?

उत्तर 1. कृषक अधिकार आन्दोलन
2. श्रमिक आन्दोलन
3. महिला सशक्तिकरण आन्दोलन
4. . विकास के दुष्परिणामों के विरूद्ध आन्दोलन

प्रश्न 17. कृषक अधिकार आन्दोलन क्या है?

उत्तर पूँजीवाद और वैश्वीकरण के पश्चात भारतीय कृषकों, विशेष रूप से लघु कृषकों के हितों की रक्षा के लिए होने वाले आन्दोलन। इनका मुख्य उद्देश्य वैश्वीकरण और निजीकरण के दौर में मुक्त बाजार व्यवस्था में भारतीय हितों की रक्षा करना है।

प्रश्न 18. श्रमिक आन्दोलन क्या है?

उत्तर उदारीकरण और वैश्वीकरण के इस नवीन युग में सेवा क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के लिए होने वाले वाले आन्दोलन।

प्रश्न 19. महिला सशक्तिकरण आन्दोलन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर परिवार से लेकर सामाजिक व्यवस्था और अर्थ व्यवस्था तक महिलाओं की सहभागिता, प्रतिनिधित्व एवं निर्णय प्रक्रिया में प्रभावशाली भूमिका के लिए चलाए जा रहे आन्दोलन।

प्रश्न 20. विकास के दुष्परिणामों के विरूद्ध आन्दोलन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर नदियों पर बाँधों के कारण विस्थापन, नदी जल विवाद, सड़क एवं अन्य परियोजनाओं से विस्थापन, पर्यावरण क्षरण आदि क्षेत्रों के लिए होने वाले आन्दोलन।

प्रश्न 21. भारत में नव सामाजिक आन्दोलनों की प्रवृत्ति व प्रकारों की विवेचना कीजिए।

उत्तर (प्रश्न सं. 14 से 20 तक के उत्तर को समेकित रूप से लिखिए।)

प्रश्न 22. ताड़ी विरोधी आन्दोलन के बारे में संक्षेप में लिखिये।

उत्तर आन्ध्रप्रदेश के नैल्लोर जिले के कुबरगंटा गाँव में शराब के ठेकेदारों व राज्य सरकार के खिलाफ सन् 1990 में महिलाओं ने ताड़ी की बिक्री के विरोध में यह आन्दोलन चलाया। लगभग 5,000 गाँवों की महिलाओं ने इसमें सहभागिता निभाई। यह आन्दोलन धीरे–धीरे पूरे राज्य में फैल गया।

प्रश्न 23. हिन्दू कोड बिल पर नारी आन्दोलन के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर सन् 1950 में इस बिल के विरूद्ध नारी आन्दोलन के कार्यकर्त्ताओं ने विवाद शुरू किया। सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में गठित समिति की सिफारिशों पर राजनीतिक दलों के विरोध से यह बिल पारित न हो सका। अन्ततः 1956 में यह बिल पारित हो सका।

प्रश्न 24. किन्हीं दो नारीवादी आन्दोलनों के बारे में बताइए?

उत्तर (प्रश्न सं. 22 व 23 के उत्तर को समेकित रूप से लिखिए।)

सामाजिक और आर्थिक न्याय एवं महिला आरक्षण

प्रश्न 1 सामाजिक व आर्थिक न्याय के सम्बन्ध में संविधान के किस भाग में व्यवस्था की गई है?

(अ) भाग एक (ब) भाग दो

(स) भाग तीन (द) भाग चार (द)

प्रश्न 2 अस्पृश्यता का कानूनी तौर पर अन्त संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया।

(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 16

(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 20 (स)

प्रश्न 3 निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार कानून किस तिथि से लागू हुआ।

(अ) 26 जनवरी 1950 (ब) 4 अगस्त 2009

(स) 1 अप्रेल 2010 ,(द) 15 अप्रेल 2015 (स)

प्रश्न 4 महिला आरक्षण से सम्बन्धित कौनसा संविधान संशोधन अधिनियम संसद में अवलम्बित है।

(अ) 108 वां (ब) 118 वां

(स) 43 वां (द) 74 वां (अ)

प्रश्न 5 भारत के गाँवों में कितने प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

(अ) 55 प्रतिशत (ब) 65 प्रतिशत

(स) 75 प्रतिशत (द) 85 प्रतिशत (ब)

प्रश्न 6 युद्व व क्रान्ति का मुख्य कारण क्या है।

उत्तर सामाजिक न्याय का अभाव।

प्रश्न 7 "अवसर की समानता" कौनसा अनुच्छेद प्रदान करता है।

उत्तर अनुच्छेद 16

प्रश्न 8 6 से 14 वर्ष के बालकों को अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार किस अनुच्छेद से प्राप्त हुआ।

उत्तर अनुच्छेद 21 क

प्रश्न 9 "भूख से मर रहे व्यक्ति के लिए लोकतंत्र का कोई महत्व नहीं है।" यह कथन किसका है?

उत्तर पं0 नेहरू

प्रश्न10 संविधान के किस अनुच्छेद में सभी नागरिकों को कोई भी कार्य,व्यापार या आजीविका प्राप्त करने का अधिकार है।

उत्तर अनुच्छेद 19 (1) (छ)

प्रश्न 11 भारत में प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थी?

उत्तर श्रीमती प्रतिभा पाटिल

प्रश्न 12 पंचायती राज संस्थाओं में महिलओं के लिए कितने प्रतिशत पद आरक्षित है?

उत्तर 33 प्रतिशत

प्रश्न 13 चौथा विश्व महिला सम्मेलन कहाँ आयोजित हुआ?

उत्तर बीजिंग में।

प्रश्न 14 सामाजिक न्याय के पक्षधर दो समाज सुधारकों के नाम लिखिए।

उत्तर महावीर स्वामी, महात्मा बुद्व।

प्रश्न 15 भारतीय सामाजिक व्यवस्था के चार वर्ण कौनसे है?

उत्तर ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र ।

CBEO BHINDER

प्रश्न 16 किस नीति को अपनाकर विदेशी आक्रांताओं और अंग्रजों ने भारत को पराधीन बनाने में सफलता प्राप्त की?

उत्तर "फूट डालो और राज करो "।

प्रश्न 17 परम्परागत रूप से शोषित व हाशिए पर स्थित लोगों के उत्थान हेतु संविधान में कौनसा विशेष प्रावधान किया गया है?

उत्तर आरक्षण की व्यवस्था।

प्रश्न 18 सामाजिक न्याय की स्थापना में सबसे बड़ी बाधा कौनसी है?

उत्तर जातीयता व साम्प्रदायिकता भारत में सामाजिक न्याय में सबसे बड़ी बाधा है।

प्रश्न 19 अनुच्छेद 14 के अन्तर्गत क्या प्रावधान है?

उत्तर भारत के सभी नागरिकों को विधि के समक्ष समता और अधिनियमों के अन्तर्गत समान सुरक्षा प्रदान की गई।

प्रश्न 20 अनुच्छेद 15 के अन्तर्गत क्या प्रावधान है?

उत्तर धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव का निषेध किया गया है।

प्रश्न 21 अनुच्छेद 23 (1) का क्या प्रावधान है?

उत्तर मानव के जबरन श्रम अथवा बेगार पर रोक जगाई गई।

प्रश्न 22 अनुच्छेद 24 का क्या प्रावधान है?

उत्तर कारखाने आदि में बच्चों से काम करानेपर रोक लगाई गई।

प्रश्न 23 अनुच्छेद 43 का क्या प्रावधान है?

उत्तर श्रमिकों के लिए निर्वाह, मजदूरी का प्रबंध करना।

प्रश्न 24 अनुच्छेद 44 का क्या प्रावधान है?

उत्तर नागरिकों के लिए समान व्यवहार संहिता।

प्रश्न 25 अनुच्छेद 45 का क्या प्रावधान है?

उत्तर अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य दुर्बल वर्गों के लिए निः शुल्क शिक्षा एवं अनिवार्य शिक्षा और आर्थिक हितों की उन्नति।

प्रश्न 26 अनुच्छेद 47 का क्या प्रावधान है?

उत्तर सभी को आहार और जीवन स्तर को उँचा करने तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के सुधार करने का राज्य का कर्तव्य।

प्रश्न 27 कौनसे संविधान संशोधन द्वारा तथा किस अनुच्छेद से सामाजिक न्याय को स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया?

उत्तर 86 वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 21 क ।

प्रश्न 28 आर्थिक स्थिति के आधार पर समाज में कितने वर्ग पाए जाते हैं? नाम बताइए।

उत्तर शोषक वर्ग और शोषित वर्ग।

प्रश्न 29 आर्थिक न्याय की स्थापना हेतु दो सुझाव दीजिए।

उत्तर (1) आर्थिक विषमता को दूर करना।

(2) प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध करवाकर उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।

प्रश्न 30 महिला आरक्षण विधेयक क्यों आवश्यक है?

उत्तर शासकीय नौकरियों व विधायिकाओं में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए महिला आरक्षण आवश्यक हैं।

प्रश्न 31 आर्थिक न्याय का अर्थ क्या है?

उत्तर समाज में सभी व्यक्तियों की न्यूनतम आवश्यकताएँ पूरी होना। कोई इतना गरीब या आर्थिक रूप से दुर्बल न हो जाए कि वह अपना अस्तित्व व गरिमा ही खो दे।

प्रश्न 32 सामाजिक न्याय का अर्थ बताइए।

उत्तर सामाजिक न्याय से तात्पर्य समाज के सभी सदस्यों के मध्य सामाजिक स्थिति के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए तथा उँचनीच व छूआछूत का व्यवहार न किया जाये। सभी की अपनी क्षमताओं के समुचित विकास के अवसर उपलब्ध हों।

प्रश्न 33 महिला आरक्षण बिल संसद में पारित नहीं होने के मुख्य कारण क्या है?

उत्तर भारत के सभी राजनीतिक दलों का पुरूष वर्ग यह जानता है कि महिलाओं को आरक्षण मिलने से उनका वर्चस्व कम हो जायेगा। साथ ही कुछ राजनीतिक दलों के विरोध एवं कुछ के समर्थन के फलस्वरूप महिला आरक्षण बिल संसद में पारित नहीं हो सका।

प्रश्न 34 आर्थिक न्याय की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर आर्थिक न्याय से तात्पर्य धन व सम्पत्ति के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।प्रत्येक समाज व राज्य में आर्थिक संसाधनों व धन सम्पदा का न्यायपूर्ण वितरण ही आर्थिक न्याय है।

प्रश्न 35 भारत में जातिगत व्यवस्था क्यों की गई?

उत्तर प्राचीन भारतीय समाज में वर्ण व्यवस्था के कारण समाज में उच्च वर्ग व निम्न वर्ग का भेद उत्पन्न हो गया जिससे कुछ वर्गों के लोग सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ गए। इनके पास संसाधनों की कमी हो गई जिससे वे उच्च वर्ग के लोगों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते थे। ऐसी स्थिति में इन वर्गों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए जातिगत आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की गई।

भारत के संविधान की विशेषताएँ

प्रश्न 1 किस देश के संविधान को जिवंत संविधान का दर्जा दिया गया हैं?

उत्तर भारत के संविधान में।

प्रश्न 2 भारत के संविधान के निर्माण में कितना समय लगा?

उत्तर 2 वर्ष 11 माह 18 दिन।

प्रश्न 3 भारतीय संविधान को संविधान सभा द्वारा कब अंगीकार किया गया?

उत्तर 26 नवम्बर 1949।

प्रश्न 4 भारत का संविधान कब लागू हुआ?

उत्तर 26 जनवरी 1950 से।

प्रश्न 5 भारतीय संविधान द्वारा अंतिम शक्ति किसके हाथ में निहित की गई हैं?

उत्तर भारत की जनता के हाथ में।

प्रश्न 6 किस विद्वान ने प्रस्तावना को संविधान की राजनीतिक कुण्डली कहा हैं?

उत्तर डॉक्टर – के. एम. मुंशी (कन्हैया लाल माणक लाल मुंशी)।

प्रश्न 7 भारत के संविधान में कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर 395 अनुच्छेद।

प्रश्न 8 भारतीय संविधान में कितने भाग हैं?

उत्तर 22 भाग।

प्रश्न 9 संविधान का 101 वाँ संशोधन किससे सम्बधित हैं?

उत्तर GST (वस्तु एवं सेवा कर)।

प्रश्न 10 हमारा संविधान विश्व का सबसे विशाल संविधान हैं? यह कथन किसका हैं।

उत्तर हरि विष्णु का।

प्रश्न 11 अमेरिका के संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर 07 अनुच्छेद।

प्रश्न 12 दक्षिण अफ्रीका के संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर 153 अनुच्छेद।

प्रश्न 13 आस्ट्रेलिया के संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर 128 अनुच्छेद

प्रश्न 14 कनाड़ा के संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर 147 अनुच्छेद।

प्रश्न 15 संविधान में भारत के नागरिकों को कितने मूल अधिकार प्रदान किये गये हैं?

उत्तर 6 मूल अधिकार।

प्रश्न 16 वर्तमान में संविधान में मूल कर्तव्यों की संख्या कितनी हैं?

उत्तर 11 कर्तव्य

प्रश्न 17 44 वें संशोधन के बाद भारतीय संविधान से कौन सा मूल अधिकार हटाया गया है?

उत्तर सम्पति का मूल अधिकार।

प्रश्न 18 नीति–निदेशक तत्व किस संविधान से लिये गये?

उत्तर आयरलैण्ड के संविधान से।

प्रश्न 19 मौलिक अधिकार किस देश के संविधान से लिये गये है?

उत्तर अमेरिका के संविधान से।

प्रश्न 20 मूल–कर्तव्य किस देश के संविधान से लिये गये?

उत्तर रूस के संविधान से।

प्रश्न 21 अनिवार्य एवं निः शुल्क शिक्षा का मूल अधिकार संविधान के किस संशोधन द्वारा जोड़ा गया?

उत्तर 86 वें संशोधन द्वारा।

GEO BHINDER

प्रश्न 22 संविधान के किस भाग में नीति–निर्देशक तत्वों का वर्णन किया गया हैं?
उत्तर भाग–4 में।
प्रश्न 23 किस संविधान संशोधन द्वारा मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई हैं?
उत्तर 61 वें संशोधन द्वारा।
प्रश्न 24 संविधान में संघ शब्द के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया हैं?
उत्तर राज्यों का संघ (Union of State)।
प्रश्न 25 भारत को समाजवादी गणराज्य किस संविधान संशोधन द्वारा घोषित किया गया?
उत्तर 42 वें संशोधन (1976) द्वारा।
प्रश्न 26 अवशिष्ट शक्तिया किसके पास होती हैं?
उत्तर केन्द्र के पास।
प्रश्न 27 भारतीय संविधान में संशोधन विधि किस अनुच्छेद में दी गई हैं?
उत्तर अनुच्छेद–368।
प्रश्न 28 भारत के संविधान में कठोरता एवं लचीलापन किन देशों के संविधान से ली गई हैं?
उत्तर संयुक्त राज्य अमेरिका एवं ब्रिटेन के संविधान से ली गई हैं।
प्रश्न 29 किस अनुच्छेद के अनुसार वित्तीय संकट उत्पन्न होने पर सम्पूर्ण देश या किसी भाग मेंआपताकाल लागू किया जा सकता हैं?
उत्तर अनुच्छेद 360 के अनुसार।
प्रश्न 30 संविधान में राष्ट्र की एकता का परिचायक होने का प्रावधान क्या हैं?
उत्तर एकल नागरिकता का प्रावधान।
प्रश्न 31 राज्यों में संवेधानिक संकट होने पर राष्ट्रपति शासक संविधान के किस अनुच्छेद के तहत लगाया जाता हैं?
उत्तर अनुच्छेद 356।
प्रश्न 32 संविधान में किसको सर्वोच्च स्थान प्राप्त हैं?
उत्तर संसद को।
प्रश्न 33 संविधान के किस भाग में आपातकालिन उपबन्धों का उल्लेख किया गया हैं?
उत्तर संविधान के भाग 18 में।
प्रश्न 34 अनुसूचित जातियों के आरक्षण की व्यवस्था किस अनुच्छेद मे की गई हैं?
उत्तर अनुच्छेद 330 में की गई हैं।
प्रश्न 35 अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सरकारी (केन्द्र) सेवाओं में कितने प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई हैं?
उत्तर 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई हैं।
प्रश्न 36 भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था को क्यों अपनाया गया हैं?
उत्तर समाज में आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए।
प्रश्न 37 राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता हैं?
उत्तर राष्ट्रपति करता हैं।
प्रश्न 38 कार्यपालिका के आदेशों को कौन अवैध घोषित कर सकता है?
उत्तर सर्वोच्च न्यायालय।
प्रश्न 39 भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था को क्यों अपनाया गया हैं?
उत्तर समाज में आर्थिक विषमता को दूर करने क लिए।
प्रश्न 40 भारत के संविधान में कितनी अनुसूचियाँ हैं?
उत्तर 12 अनुसूचियाँ हैं।
प्रश्न 41 देश के किसी हिस्से में सशक्त विद्रोह की स्थिति में किस अनुच्छेद के तहत आपातकाल लागूकिया जाता हैं?
उत्तर अनुच्छेद 352 के तहत।
प्रश्न 42 पंथ–निरपेक्ष राज्य से क्या आशय/अभिप्राय हैं?
उत्तर 42 वें संशोधन के द्वारा 1976 में इसे जोड़ा गया था। इसका अर्थ यह है कि भारत धर्म के क्षैत्रमें न धर्म विरोधी हैं, न धर्म का प्रचारक, बल्कि वह तटस्थ हैं जो सभी धर्मो के साथ समानव्यवहार करता हैं।
प्रश्न 43 नीति–निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 5 के अनुसार राज्य का क्या कर्तव्य हैं?
उत्तर राज्य का कर्तव्य है कि अन्तर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा तथा राष्ट्रो के मध्य न्यायपूर्ण व सम्मान जनकसम्बधों की स्थापना करें।
प्रश्न 44 42 वें संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावना में कौन से शब्द जोड़े गए हैं?
उत्तर समाजवाद, पंथ निरपेक्षता व अखण्डता शब्द जोड़े गए हैं।

लघूरात्मक प्रश्न

प्रश्न 45 भारत के संविधान की कोई 5 विषेशताएँ बताइए?

उत्तर 1. सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न संविधान
2. पंथ निरपेक्ष
3. एकल नागरिकता
4. वयस्क मताधिकार
5. स्वतंत्र न्यायपालिका

प्रश्न 46 लोकतंत्रात्मक गणराज्य से क्या अभिप्राय हैं?

उत्तर भारत में जनता या लोग शासन सता की अन्तिम स्त्रोत हैं। सरकार जनता की, जनता द्वाराऔर जनता के लिए हैं। भारत में राज सता का प्रयोग जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैंऔर वे जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं। गणराज्य से अभिप्राय हैं कि भारत मैं राष्ट्रध्यक्षया सर्वोच्च शक्ति का निर्वाचन वंशानुगत न होकर निर्वाचित प्रतिनिधि होता हैं। भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा होता हैं।

प्रश्न 47 प्रस्तावना को लिखिए?

उत्तर हम, भारत के लोग , भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष,लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने क लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकताऔर अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए ढृढ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ई.(मिति मार्गशीर्ष सप्तमी, संवत दो हजार छविक्रमी) का संसद द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

प्रश्न 48. सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक राज्य की विषेशताओं को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर भारत किसी अन्य देश या किसी बाहरी नियन्त्रण सं पूर्णतया मुक्त हैं एवं अपने आन्तरिक मामलों में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार नही करता हैं। साथ ही भारत में प्रजातान्त्रिक शासन व्यवस्था को अपनाया गया हैं। जिसका आशय यह हैं कि शासन संचालन की सम्पूर्ण शक्तिजनता में निहित हैं। जनता अपनी शक्ति का प्रयोग अपने द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से करती हैं।

प्रश्न 49 भारत में संसदीय शासन व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर इस प्रणाली में कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती हैं, इसव्यवस्था में कार्यपालिका दो प्रकार की होती है– एक नाममात्र की दूसरी वास्तविक। राष्ट्रपति का पद गरिमा व प्रतिष्ठा का होता हैं पर उसकी स्थिति सांविधानिक प्रधान की हैं, वास्तविक शक्तियाँ मंत्रिमण्डल के द्वारा प्रयोग की जाती हैं। संसद का विश्वास समाप्त होने पर मंत्रिमण्डल को त्यागपत्र देना पड़ता हैं। इस व्यवस्था से प्रधानमंत्री ही मंत्रिमण्डल का नेतृत्व करता है, भारत में संसदीय व्यवस्था को केन्द्र के साथ राज्यों में अपनाया गया हैं।

प्रश्न 50 ''भारतीय संविधान कठोरता व लचीलेपन का मिश्रण हैं'' समझाइये।

उत्तर संविधान में कठोरता का समावेश संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान व में लचीलेपन का ब्रिटेन के संविधान से लिया गया हैं। भारतीयसंविधान में संशोधन की तीन विधियाँ हैं–

1. संविधान के कुछ भागों में संसद के दोनों सदनों के पुनर्गठन, राज्यों में विधान परिषद की स्थापना या समाप्ति केन्द्र प्रशासित क्षेत्र बनाना , संसद सदस्यों के वेतन आदि।
2. कुछ विषयों में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों के पूर्ण बहुमत व उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती हैं।
3. कुछ विषयों में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों के पूर्ण बहुमत, उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत के अतिरिक्त कम से कम आधे राज्यों की विधान सभाओं का समर्थन आवश्यक हैं। राष्ट्रपति निर्वाचन की पद्वति इससे स्पष्ट हैं कि संविधान में संशोधन करने में लचीलेपन और कठोरता का मिश्रण है।

प्रश्न 51 विलक्षण दस्तावेज से आप क्या समझते हैं?

उत्तर संविधान निर्माताओं की बुद्विमता व दूरदृष्टि इसका प्रमाण हैं कि उन्होंनेसंविधान में जनता द्वारा मान्य आधारभूत मूल्यों व सर्वोच्च आंकाक्षाओं को स्थान दिया। हमारा संविधान एक विलक्षण दस्तावेज हैं। दक्षिण अफ्रीका ने तो इसे प्रतिमान के रूप मं अपने देश का संविधान बनाने हेतु काम मे लिया हैं।

भारत की संघीय व्यवस्था के आधारभूत तत्व

1. संघवाद किसे कहते है?

उत्तर सत्ता की शक्तियों के वितरण तथा स्तरों के आधार पर अपनायी जाने वाली प्रणाली, संघवाद कहते है।

2. संघीय शासन का निर्माण कितने प्रकार से होता है?

उत्तर दो :– 1– पूर्व में अनेक संप्रभू ईकाईयों का आपस में एक हो जाना,
2– एक बड़ी राजनीतिक इकाई को शासन की कार्य कुशलता की दृष्टि से अलग–अलग ईकाईयों में विभाजित कर देना।

3. भारत में कितने राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश है?

उत्तर 28 राज्य और 8 केन्द्र शासित प्रदेश है।

4. शासन शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किस अनुच्छेद में किया गया है?

उत्तर 246 अनुच्छेद

5. संविधान की सर्वोच्चता को कौन स्थापित करता है?

उत्तर भारतीय संघवाद

6. एकल नागरिकता किसे कहते है?

उत्तर केन्द्र तथा राज्य की एक ही नागरिकता को एकल नागरिकता कहते है ।

7. राज्यपाल को कौन नियुक्त करता है?

उत्तर राष्ट्रपति

8. राज्यपाल का क्या कार्य होता है?

उत्तर राज्य में केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।

9. भारतीय संविधान का एकात्मक लक्षण किसे कहते है?

उत्तर संघात्मक व्यवस्था के होते हुए भारतीय संविधान को संघीय नहीं माना है।

10. आपात शक्ति किसे कहते है?

उत्तर राष्ट्रपति को विश्वास हो जाए युद्ध बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह, भारत को सुरक्षा का खतरे में हो।

11. किस अनुच्छेद द्वारा राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कर सकता है?

उत्तर अनुच्छेद 352

12. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व कौनसा सदन करता है?

उत्तर राज्यसभा

13. केन्द्र व राज्यों के मध्य विवादों का निपटारा को कौनसी संस्था करती है?

उत्तर न्याय पालिका (सर्वोच्य न्यायालय)

14. विधि के शासन से आप क्या समझते है?

उत्तर विधि के शासन को स्थापित करने के लिए एक स्वतंत्र न्याय पालिका का होना अतिआवश्यक, न्याय पालिका सरकार का हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए।

15. सरकारिया आयोग का सम्बन्ध किससे था?

उत्तर संघ व राज्यों के आपसी सम्बन्धों के अध्ययन हेतु न्यायाधीश रणजीत सिंह सरकारिया आयोग का गठन किया।

16. वर्तमान में हमारे देश में कितने राज्य है?

उत्तर 28

17. संघ सूची के विषयों पर कानुन बनाने का अधिकार है?

उत्तर केन्द्र सरकार

18. संसद के दोनों सदनों में गतिरोध हल करने के लिए आयोजित संयुक्त सत्र की अध्यक्षता कौन करता है?

उत्तर सदन में दोनों सदनों में गतिरोध हल करने के लिए आयोजित संयुक्त सत्र की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।

19. सफल संघीय व्यवस्था वाले देश कौन–कौन से है?

उत्तर संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, रूस, कनाड़ा, भारत आदि देश सफल संघीय व्यवस्था वाले देश है।

20. भारत में संघीय शासन की स्थापना किसके अंतर्गत की गयी है?

उत्तर भारत में संविधान के तहत संघीय शासन की स्थापना की गयी है।

21. संविधान में संघवाद के स्थान पर किस शब्द का प्रयोग किया गया है?

उत्तर संविधान में संघवाद के स्थान पर ''राज्यों का संघ'' शब्द का प्रयोग किया गया है।

22. किस देश को विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ की संज्ञा दी जाती है?

उत्तर भारत

23. भारतीय संसद का उच्च सदन कौनसा होता है?

उत्तर राज्यसभा

24. भारतीय संघीय व्यवस्था के कोई दो तत्व लिखिए?

उत्तर 1– स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका, 2– संविधान की सर्वोच्चता

25. भारतीय संविधान को एकात्मक रूप देने वाले कोई दो तत्व लिखिए।

उत्तर 1– एक संविधान

2– सीमाओं में परिवर्तन हेतु राज्यों की सहमति अनिवार्य नहीं ।

26. किस अनुच्छेद के अंतर्गत अवशिष्ट शक्तियों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर अनुच्छेद 248

GEO BINDER

27. संविधान में शक्तियों का विभाजन किसके पक्ष में है?

उत्तर संविधान में शक्तियों का विभाजन केन्द्र के पक्ष में है।

28. राज्य सूची में अंकित विषयों पर कानुन का निर्माण कौन करता है?

उत्तर राज्य विधान मंडल

29. किन अनुच्छेदों के अंतर्गत राष्ट्रपति संकटकाल की उद्घोषणा कर सकता है?

उत्तर संविधान के अनुच्छेद 352, 356 तथा 360 के अनुसार राष्ट्रपति आपात स्थिति की घोषणा कर सकता है।

30. राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व किसके आधार पर किया जाता है?

उत्तर राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व समानता के आधार पर नहीं बल्कि जनसंख्या के आधार पर किया गया है।

31. किस देश में दोहरी नागरिकता की प्रणाली पायी जाती है?

उत्तर संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विटजरलेण्ड में दोहरी नागरिकता की प्रणाली पायी जाती है।

32. क्या राज्यों को भारत संघ से अलग होने का अधिकार प्राप्त है?

उत्तर भारत संघ के राज्यों को संध से पृथक होने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

33. अनुच्छेद 312 किससे सम्बन्धित है?

उत्तर 312 अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन से संबंधित प्रावधान किए है।

34. साझा सरकारों के दौर में केन्द्र की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर साझा सरकारों के दौर में केन्द्र की स्थिति कमजोर होती है।

35. संघीय या संघात्मक सरकार का अर्थ स्पष्ट कीजिए?

उत्तर **संघीय–** जब दो या दो अधिक स्वतंत्र राज्य मिलकर एक समझौते द्वारा अपने लिए सामान्य सरकार की स्थापना करे और साथ ही स्वतंत्र रहे।

संघात्मक– डायसी–संघात्मक सरकार वह योजना है जिसका उद्धेश्य राष्ट्रीय एकता और राज्यों के अधिकारों में सामंजस्य स्थापित करना है।

36. भारतीय संधीय व्यवस्था के किन्हीं दो तत्वों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर 1– संविधान की सर्वोच्चता

2– एकल नागरिकता

भारत में शासन :–लोकसभा एवं राज्यसभा

प्रश्न 1 भारत की केन्द्रिय सरकार के तीनों अंगों के नाम क्या है?

उत्तर (1) व्यस्थापिका (2) कार्यपालिका (3) न्यायपालिका

प्रश्न 2 भारत की व्यवस्थापिका का दूसरा नाम क्या है?

उत्तर भारत की व्यवस्थापिका का दूसरा नाम भारतीय संसद है।

प्रश्न 3 भारत की व्यवस्थापिका (संसद) का गठन संविधान के कौनसे अनुच्छेद में किया गया है?

उत्तर भारतीय सविधान के अनुच्छेद 79 में।

प्रश्न 4 व्यवस्थापिका को विभिन्न देशों में किस किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर ब्रिटेन में इसे पार्लियामेन्ट, संयुक्त राज्य अमेरिका में कांग्रेस, जापान में डायट, जर्मनी में बुण्डेस्टांग तथा ईरान में इसे मजलिस कहते है।

प्रश्न 5 भारतीय संघ की संसद किन से मिलकर बनती है?

उत्तर राष्ट्रपति और दोनों सदनों(लोकसभा व राज्यसभा) से मिलकर बनती है।

प्रश्न 6 भारतीय संसद के दोनों सदनों के नाम लिखिए?

उत्तर (1) लोकसभा (2) राज्यसभा

प्रश्न 7 संसद सदस्य के लिए क्या क्या योग्यताएं निर्धारित कि गई है?

उत्तर (1) वह भारत का नागरिक होना चाहिए

(2) उसे राज्य सभा के स्थान के लिए न्यूनतम 30 वर्ष की आयु एवं लोकसभा के स्थान के लिए न्यूनतम 25 वर्ष की आयु होनी चाहिए

(3) उसके पास न्यायालय द्वारा पागल या दिवालिया घोषित किया गया नहीं होना चाहिए

प्रश्न 8 कोई भी व्यक्ति अधिकतम कितने स्थानों से चुनाव लड़ सकता है?

उत्तर अधिकतम वह दो स्थानों से लोकसभा का चुनाव लड़ सकता है।

प्रश्न 9 संसद सदस्य की सदस्यता कौनसी परिसिथति में बर्खास्त कि जाती है?

GURU BHINDER

उत्तर संविधान की दसवीं अनुसूचित के अनुसार किसी संसद सदस्य को दल बदल का दोषी पाये जाने पर इसके अतिरिक्त सदस्य के चुनावी अपराध अथवा चुनाव में भ्रष्ट आचरण का दोषी सिद्व होने पर

प्रश्न 10 भारतीय संसद के प्रतिवर्ष कितने सत्र होते है उन का समय भी लिखे?

उत्तर तीन सत्र प्रतिवर्ष होते है (1) बजट सत्र (फरवरी मई)

(2) मानसून सत्र (जुलाई सितम्बर)

(3) शीतकालीन सत्र (नवम्बर दिसम्बर)

प्रश्न 11 गणपूर्ति किसे कहते है?

उत्तर गणपूर्ति अथवा कोरम सदस्यों की वह न्यूनतम सदस्य संख्या है, जिनकी उपस्थिति से सदनों की कार्यवाही को वैधानिकता प्राप्त होती है। जिसके लिए दोनों सदनों के लिए कुल सदस्य संख्या का 10वां भाग (545 का 55 व 245 का 25)

प्रश्न 12 संविधान के अनुसार संसद के कार्य संचालन की भाषा क्या है?

उत्तर हिन्दी एवं अंग्रेजी

प्रश्न 13 मंत्री एवं महान्यायवादी को संसद में कौनसा अधिकार दिया गया है?

उत्तर संसद के किसी भी सदन में बोलने एवं कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार

प्रश्न 14 संसद का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है

उत्तर कानून निर्माण

प्रश्न 15 संसद के दोनों सदन में राष्ट्रपति द्वारा कितने सदस्य मनोनित कर सकता है?

उत्तर राज्यसभा में 12 एवं लोकसभा में 2 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनित होते है।

प्रश्न 16 संसद में राजस्थान से कितने सदस्य मनोनित व निर्वाचित होकर जाते है?

उत्तर राज्यसभा के लिए 10 एवं लोकसभा के लिए 25 सदस्य

प्रश्न 17 भारतीय संसद के प्रमुख कार्य कौन कौन से है?

उत्तर (1) विधि निर्माण

(2) धन विधेयक पारित करना

(3) संविधान में संशोधन का कार्य

(4) कार्यपालिका पर नियंत्रण का कार्य

प्रश्न 18 भारतीय संविधान में संशोधन करने की शक्ति किसको प्राप्त है?

उत्तर भारतीय संसद को, संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार

प्रश्न 19 संविधान संशोधन विधेयक संसद के कौन से सदन प्रस्तुत किया जाता है?

उत्तर संसद के किसी भी सदन में पहले प्रस्तुत किया जा सकता है ।

प्रश्न 20 धन विधेयक संसद के कौनसे सदन में पहले प्रस्तुत किया जाता है?

उत्तर लोकसभा में, राज्यसभा में नहीं

प्रश्न 21 साधारण विधेयक किसे कहते है?

उत्तर कानुन बनाने के प्रस्ताव के

प्रश्न 22 सरकारी विधेयक किसे कहते है?

उत्तर यदि विधेयक मंत्री परिषद के किसी सदस्य द्वारा सदन में रखा जाना है उसे सरकारी विधेयक कहते है।

प्रश्न 23 गैर सरकारी विधेयक किसे कहते है?

उत्तर साधारण सदस्यों द्वारा रखा गया विधेयक को गैर सरकारी विधेयक कहते है।

प्रश्न 24 विधेयक कितने प्रकार के होते है?

उत्तर (1) धन विधेयक

(2) साधारण विधेयक

(3) संशोधन विधेयक

प्रश्न 25 धन विधेयक अनिवार्य रूप से कौनसा विधेयक होता है?

उत्तर सरकारी विधेयक ही होता है ।

प्रश्न 26 किसी के खिलाफ महाभियोग कौन ला सकता है?

उत्तर भारतीय संसद द्वारा

प्रश्न 27 भारतीय संसद कार्यपालिका पर नियन्त्रण कैसे करती है?

उत्तर जैसे प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, काम रोकी प्रस्ताव आदि

GURBHINDER

प्रश्न 28 अविश्वास प्रस्ताव कौन लाता है?

उत्तर मंत्रीपरिषद् को अपने पद से हटाने के लिए विपक्ष द्वारा लाया जाता है।

प्रश्न 29 कोई विधेयक कानुन का रूप कब लेता है?

उत्तर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद

प्रश्न 30 संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को शपथ कौन दिलाता है?

उत्तर भारत का राष्ट्रपति

प्रश्न 31 राष्ट्रपति किसकी शपथ दिलाता है?

उत्तर पद एवं गोपनीयता कि शपथ दिलाता है ।

प्रश्न 32 भारतीय संसद के उच्च व निम्न सदस्यों के नाम लिखिए

उत्तर संसद का उच्च सदन राज्यसभा एवं निम्न सदन लोकसभा है।

प्रश्न 33 भारतीय संसद मन्त्रिपरिषद् पद किन तरीकों से नियन्त्रण रखती है?

उत्तर मन्त्रिपरिषद् पर नियन्त्रण की सबसे बड़ी शक्ति लोकसभा को प्राप्त है वह विश्वास प्रस्ताव एवं अविश्वास प्रस्ताव पारित करना विश्वास का मत प्रधानमंत्री सदन में प्रस्तुत करते है और सदस्यों से आग्रह करते है कि इसके पक्ष में मत देकर पारित करने का आग्रह करते है।

प्रश्न 34 संसद के सत्रावासन के समय राष्ट्रपति किन विशेष आदेश को जारी करता है?

उत्तर अध्यादेश

प्रश्न 35 किस परिस्थिति में राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है?

उत्तर जब संसद का अधिवेशन नहीं चल रहा हो तो और कानुन की आवश्यकता होने पर

प्रश्न 36 संसद के दोनों सदनों में से कौनसे अधिक शक्तिशाली सदन है?

उत्तर लोकसभा

प्रश्न 37 संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व कौनसा सदन करता है?

उत्तर उच्च सदन (राज्यसभा)

प्रश्न 38 संसद का अधिवेशन कौन बुलाता है?

उत्तर राष्ट्रपति

प्रश्न 39 संसद के दोनों सदनों में गतिरोध उत्पन्न होने पर संयुक्त सत्र कि अध्यक्षता कौन करता है?

उत्तर लोकसभा अध्यक्ष करता है।

प्रश्न 40 किस विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पहले राष्ट्रपति की स्वीकृति आवश्यक है?

उत्तर वित्त विधेयक

प्रश्न 41 संसद किस प्रकार राज्यों का पुनर्गठन व उनकी सीमाओं में परिवर्तन कर सकती है?

उत्तर संसद कानुन निर्माण की सामान्य प्रक्रिया के अनुसार साधारण बहुमत से राज्यों का पुनर्गठन व उनकी सीमाओं में परिवर्तन कर सकती है।

प्रश्न 42 राज्य सभा सदस्यों का निर्वाचन कैसे किया जाता है?

उत्तर द्वारा उस राज्य की विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्वति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत अप्रत्यक्ष रूप से होता है।

प्रश्न 43 वर्तमान में राज्यसभा के कितने सदस्य है?

उत्तर 245 सदस्य

प्रश्न 44 राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

उत्तर यह एक स्थायी सदन है, जो कभी भंग नहीं होती है फिर भी धन इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष निर्धारित किया गया है।

प्रश्न 45 राज्यसभा के कितने पदाधिकारी होते है?

उत्तर राज्यसभा के दो पदाधिकारी होते है (1) पदेन सभापति

(2) उपसभापति

प्रश्न 46 वर्तमान में राज्यसभा का पदेन सभापति कौन है?

उत्तर उपराष्ट्रपति हमेशा पदेन सभापति होता है वर्तमान में वैकया नायडु

प्रश्न 47 वर्तमान में राज्यसभा का उपसभापति कौन है?

उत्तर हरिवंश नारायण सिंह

प्रश्न 48 राज्यसभा सदस्य बनने के लिए कितनी आयु निर्धारित कि गई है?

उत्तर कम से कम 30 वर्ष या उससे अधिक

CHO BHINDER

प्रश्न 49 राज्यसभा में 12 सदस्य राष्ट्रपति निर्वाचित किस क्षेत्र वाले से करता है?

उत्तर जो साहित्य, विज्ञान, कला अथवा समाज सेवा में विशेष ज्ञान रखता है।

प्रश्न 50 वर्तमान में लोकसभा के सदस्य संख्या कितनी है?

उत्तर 545 सदस्य है।

प्रश्न 51 लोकसभा सदस्यों का निर्वाचन कैसे होता है?

उत्तर प्रत्यक्ष रूप से वयस्क मताधिकार द्वारा होता है।

प्रश्न 52 वर्तमान में लोकसभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए कितने स्थानों का आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

उत्तर अनुसूचित जाति के लिए 84 एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 47 स्थान आरक्षित है।

प्रश्न 53 लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

उत्तर संविधान के अनुच्छेद 83 के अनुसार प्रथम बैठक से 5 वर्ष का होता है।

प्रश्न 54 भारत में पहली लोकसभा का गठन कब हुआ था?

उत्तर अप्रैल 1952 में

प्रश्न 55 वर्तमान में कौनसी लोकसभा चल रही है?

उत्तर 17वीं लोकसभा

प्रश्न 56 राष्ट्रपति किस वर्ग के लोगों को 2 सदस्य लोकसभा के लिए मनोनित करता है?

उत्तर आंग्ल भारतीय वर्ग के

प्रश्न 57 वर्तमान में लोकसभा का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष कौन है?

उत्तर अध्यक्ष ओम बिरला, उपाध्यक्ष पद रिक्त है।

प्रश्न 58 स्वतन्त्रता भारत की पहली लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष कौन थे?

उत्तर अध्यक्ष गणेश वासुदेव एवं उपाध्यक्ष अनन्त शयनम अयंगर थे।

प्रश्न 59 कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं उस पर अन्तिम निर्णय कौन लेता है?

उत्तर लोकसभा का अध्यक्ष लेता है।

प्रश्न 60 लोकसभा अध्यक्ष अपना त्याग पत्र किसे सौपता है?

उत्तर उपाध्यक्ष को तथा उपाध्यक्ष अपना त्याग पत्र अध्यक्ष को

प्रश्न 61 लोकसभा अध्यक्ष का दूसरा नाम क्या है?

उत्तर लोकसभा का स्पीकर

प्रश्न 62 लोकसभा अध्यक्ष के कार्य क्या क्या है?

उत्तर (1) सदन की कार्यवाही का संचालन करना
(2) निर्णायक मत का प्रयोग करना
(3) संसद को बोलने की अनुमति देना
(4) दल बदल कि स्थिति में किसी सदस्य की नियोग्यता का फैसला करना

प्रश्न 63 लोकसभा सदस्यों का निर्वाचन का कार्य कौन सम्पादन कराता है?

उत्तर भारत का निर्वाचन आयोग

प्रश्न 64 लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव कौन करता है?

उत्तर बहुमत प्राप्त दल के निर्वाचित सदस्यों द्वारा, लोकसभा में

प्रश्न 65 लोकसभा सदस्य की न्यूनतम आयु क्या है?

उत्तर 25 वर्ष।

न्यायपालिका

प्रश्न 1 भारत का सबसे बड़ा न्यायालय कौनसा तथा कहां स्थित है?

उत्तर उच्चतम न्यायालय, दिल्ली में।

प्रश्न 2 भारत में सर्वोच्य न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

उत्तर राष्ट्रपति द्वारा।

प्रश्न 3 सर्वोच्य न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीशों की वर्तमान में संख्या कितनी है?

उत्तर 31

प्रश्न 4 सर्वोच्य न्यायालय के न्यायाधीश अपने पद पर कब तक कार्य कर सकता है?

उत्तर 65 वर्ष तक।

प्रश्न 5 भारत में न्यायपालिका की संरचना किस प्रकार की है?

उत्तर पिरामिड़ की तरह।

प्रश्न 6 सर्वोच्य न्यायालय के परामर्श स्वरूप में दी गई सलाह को क्या सरकार के लिए मानना अनिवार्य हैं?

उत्तर नहीं।

प्रश्न 7 सर्वोच्य न्यायालय संविधान की रक्षा अपने किस शक्ति द्वारा करता हैं?

उत्तर न्यायिक पूनरावलोकन की शक्ति द्वारा।

प्रश्न 8 सर्वोच्य न्यायालय के न्यायाधीशों को किन दशा में पद से हटाया जा सकता है?

उत्तर कदाचार, अक्षमता की दशा में महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है।

प्रश्न 9 संविधान एवं नागरिकों के अधिकारों की व्याख्या का दायित्व सरकार के किस अंग पर हैं?

उत्तर न्यायपालिका।

प्रश्न 10 अधिनस्थ न्यायालय किस किस्म के मुकदमों पर विचार करती हैं?

उत्तर फौजदारी एवं दिवानी किस्म के।

प्रश्न 11 जनहित याचिका की शुरूआत भारत में किस सन् से हुई?

उत्तर 1979 से।

प्रश्न 12 कानूनों की व्याख्या करने वाला सरकार का कौनसा अंग है?

उत्तर न्यायपालिका।

प्रश्न 13 सरकार के तीनों अंगों में शक्ति सन्तुलन के सिंद्धान्तों की व्याख्या का अधिकार किसे है?

उत्तर सर्वोच्य न्यायालय को।

प्रश्न 14 न्यायपालिका किसके प्रति जवाब देय है?

उत्तर न्यायपालिका देश के संविधान, लोकतांत्रिक परम्परा और जनता के प्रति जवाब देय है।

प्रश्न 15 चुनाव संबंधित कौनसे विवाद सीधे सर्वोच्य न्यायालय में सुने जाते है?

उत्तर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के मामले।

प्रश्न 16 अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहां स्थित है?

उत्तर हेग में।

प्रश्न 17 न्यायिक सक्रियता को दर्शाने वाली याचिका को क्या कहा जाता है?

उत्तर जनहित याचिका।

प्रश्न 18 कोई व्यक्ति उच्च न्यायालय के निर्णय के विरूद्ध सर्वोच्य न्यायालय में किस क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत अपील करता है?

उत्तर अपील क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत।

लघुउत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 भारत का सर्वोच्य न्यायालय व्यक्ति के मूल अधिकारों की रक्षा किन विधियों से करता है?

उत्तर (1) रिट के माध्यम से संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत न्यायालय रिट जारी करके।

(2) न्यायिक पुनरावलोकन यह अनुच्छेद 13 के तहत किसी कानून को गैर संवेधानिक घोषित करके।

प्रश्न 2 न्यायिक सक्रियता से क्या आशय है?

उत्तर जब न्यायपालिका ने अखबार में छपी खबरों और डाक से प्राप्त शिकायतों को आधार बनाकर विचार करना शुरू कर दिया है। न्यायपलिका की यह नयी भूमिका न्यायिक सक्रियता के रूप में लोकप्रिय हुई।

प्रश्न 3 सर्वोच्य न्यायालय के मौलिक क्षेत्राधिकार में मुख्यतः कौन–कौन से विषय आते है?

उत्तर (1) भारत सरकार तथा एक या एक से अधिक राज्यों के विवाद।

(2) भारत सरकार तथा कई राज्यों तथा एक से अधिक राज्यों के बीच विवाद।

(3) दो या दो से अधिक राज्यों के बीच विवाद।

प्रश्न 4 उच्च न्यायालय या सर्वोच्य न्यायालय उत्प्रेषण लेख कब और किस लिए जारी करता है?

उत्तर जब न्यायालय को लगता है कि कोई सार्वजनिक पदाधिकारी अपने कानूनी और संवैधानिक दायित्वों का समुचित पालन नही कर रहा है जो न्यायालय परमादेश लेख द्वारा उसे ऐसा करने के लिए बाध्य करता है।

प्रश्न 5 उच्च न्यायालयों के कार्यों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर उच्च न्यायालय के कार्य

(1) यह निचली अदालतों के फैसले पर दी गई अपील की सुनवाई करता है।

(2) यह मौलिक अधिकारों को बहाल करने के लिए रिट जारी कर सकता है।

(3) यह राज्य के क्षैत्राधिकार में आने वाले मुकदमों का निपटारा करता है।

(4) यह अपने अधीनस्थ अदालतों का पर्यवेक्षण और नियन्त्रण करता है।

CBSE BINDER

प्रश्न 6 सर्वोच्य न्यायालय के सलाह देने के अधिकार की दो उपयोगिताएं लिखिए?

उत्तर (1) सर्वोच्य न्यायालय के इस अधिकार से सरकार को किसी महत्वपूर्ण मसले पर कार्यवाही से पूर्व अदालत की राय जानने की छूट मिल जाती है।

(2) सर्वोच्य न्यायालय की सलाह मानकर सरकार अपने प्रस्तावित विधेयक या निर्णय में समुचित संशोधन कर सकती है।

प्रश्न 7 भारतीय संविधान में न्यायिक पुनरावलोकन और संसदीय सम्प्रभुता को किस प्रकार समन्वित किया गया है?

उत्तर भारतीय संविधान में जहां संसद को कानून निर्माण करने तथा संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान कर संसदीय प्रभुता को अपनाया गया है वहीं न्यायिक पुनरावलोकन के द्वारा न्यायपालिका को संविधान के विरूद्ध कानूनों व संविधान संशोधनों में अवैध घोषित करने की शक्ति प्रदान की गई है।

जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता

प्रश्न 1. जाति भारत में एक महत्वपूर्ण दल हैं, यह कथन किस विद्वान का है?

उत्तर जाति भारत में एक महत्वपूर्ण दल हैं, यह कथन जय प्रकाष नारायण का है।

प्रश्न 2. पूना पैक्ट किन नेताओं के बीच हुआ था?

उत्तर पूना पैक्ट महात्मा गांधी एवं डॉ.भीमराव अम्बेडकर के बीच हुआ था ।

प्रश्न 3. स्वतन्त्रता के पश्चात भारत के राजनैतिक क्षैत्र में जाति का प्रभाव पहले की अपेक्षा बढ़ा है। यह कथन किसका है?

उत्तर यह कथन के एन मेनन का है।

प्रश्न 4. वर्तमान काल में जाति व्यक्तियों के एकता के सुत्र में बॉधने में बाधक सिद्व हुई है। यह कथन किस का हैं?

उत्तर यह कथन डी. आर.गाडगिल का है।

प्रश्न 5. अन्य समुदायों के बदले प्रभाव को बडा चडाकर प्रस्तुत कर भय दोहन की राजनीति क्या कहलाती है?

उत्तर साम्प्रदायिकता की राजनीति कहलाती है।

प्रश्न 6. भारत में वर्ण–व्यवस्था किस सिद्वान्त पर आधारित थी?

उत्तर भारत में वर्ण–व्यवस्था कर्म और व्यवसाय के सिद्वान्त पर आधारित थी।

प्रश्न 7. किस मुद्दे पर गांधीजी व डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच पुना पैक्ट हुआ था?

उत्तर दलित वर्गो के पृथक निर्वाचन के मुद्दे पर गांधीजी व डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच पूना पैक्ट हुआ था।

प्रश्न. 8 अन्य पिछडे वर्गो के बीच कितने प्रतिशत आरक्षण दिया गया हैं?

उत्तर अन्य पिछडे वर्गो के बीच 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई हैं।

प्रश्न. 9 भारत विभाजन का मुख्य कारण क्या था?

उत्तर भारत विभाजन का मुख्य कारण साम्प्रदायिकता था।

प्रश्न 10. पृथक निर्वाचन का क्या उद्देश्य था?

उत्तर पृथक निर्वाचन का उद्देश्य हिन्दुओ में भी उच्च व निम्न वर्ग के व्यक्तियो के बीच फूट पैदा करना था।

प्रश्न 11. वोट बैंक को राजनैतिक दलों ने क्यों बढावा दिया?

उत्तर वोट बैंक बनाकर चुनाव जीतकर सत्ता पर कब्जा कर सत्ता का सुख भोगने की लालसा के कारण राजनैतिक दलों ने बढावा दिया।

प्रश्न 12. किन्ही दो राज्यों के नाम बताइये,जो जातिगत राजनीति की मिसाल बन चुके है।

उत्तर दो राज्य (1) उत्तर प्रदेश

(2) बिहार जातिगत राजनीति की मिसाल बन चुके है।

प्रश्न 13. द्वि राष्ट्र सिद्वान्त का प्रतिपादन किसने किय था?

उत्तर द्वि राष्ट्र सिद्वान्त का प्रतिपादन 1940 ई. मे मौहम्मद अली जिन्हा द्वारा किया गया था।

प्रश्न 14. साम्प्रदायिकता के आधार पर भारत विभाजन कब हुआ था?

उत्तर साम्प्रदायिकता के आधार पर भारत विभाजन 1947 में हुआ था।

प्रश्न 15. बंगाल विभाजन कब व किसने किया था?

उत्तर बंगाल विभाजन 1905 में लार्ड कर्जन ने साम्प्रदायिक आधार पर किया था।

प्रश्न 16. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका के कोई दो बिन्दु लिखिए?

उत्तर (1) निर्णय प्रक्रिया में जाति की भूमिका (2) जातिगत आधार पर मतदान व्यवहार

प्रश्न 17. वर्तमान में किन राज्यो मे जातीय संगठन जाति के आधार पर आरक्षण की मांग कर रहे है?

उत्तर गुजरात, हरियाणा एवं राजस्थान में जातीय संगठन जाति के आधार पर आरक्षण की मांग कर रहे है।

प्रश्न 18. जातिगत राजनीति की कोई दो विशेषताऍ लिखिए?

उत्तर (1) जाति में राजनीतिक सम्बन्ध गतिशील होते है।

(2) जातीय संगठनो ने जातिगत राजनीतिक महत्वकांक्षा को बढाया है।

प्रश्न 19. अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई थी?

उत्तर 1906 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना हुई थी।

प्रश्न 20. सच्चर कमेटी प्रतिवेदन की अध्यक्षता किसने की थी?

उत्तर सच्चर कमेटी प्रतिवेदन की अध्यक्षता सेवा निवृत न्यायाधीश राजेन्द्र सिंह सच्चर ने की थी।

प्रश्न 21. साम्प्रादायिक संगठनो का उद्देश्य क्या होता है?

उत्तर साम्प्रादायिक संगठनो का उद्देश्य शासको के ऊपर दबाव डाल कर अपने सदस्यो के लिए अधिक सत्ता, प्रतिष्ठा व अधिकार प्राप्त करना है ।

प्रश्न 22. भारत में साम्प्रादायिकता के लिए उत्तरदायी दो कारण लिखिऍ।

उत्तर (1) सामाजिक और आर्थिक पिछड़ापन

(2) सरकारकी उदासीनता

प्रश्न 23. साम्प्रादायिकता को दूर करने के दो उपाय बताइये।

उत्तर (1) सर्व धर्म समभाव

(2) राज्य शक्ति का समान रूप से प्रयोग।

प्रश्न 24. ब्रिटीश सरकार की कौनसी नीति ने साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया?

उत्तर फूट डालो और राज करो की नीति ने साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया।

प्रश्न 25. साम्प्रदायिकता के दो दुष्परिणाम बताइये।

उत्तर (1) राष्ट्रिय एकता व अखण्डता के लिए संकट

(2) आपसी द्वेष तथा अविश्वास पैदा करना।

लधूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 जातिवाद से क्या अभिप्राय है?

उत्तर जाति के प्रति उग्र लगाव की भावना को जातिवाद कहते है अर्थात व्यक्ति को अपनी जाति के प्रति अत्यधिक लगाव, अपने आप को अन्य जातियो से पुर्णतय अलग समझने की प्रवृति एवं आचरण ही जातिवाद कहलाता है।

प्रश्न 2 साम्प्रदायिकता किसे कहते है?

उत्तर जब कोई धार्मिक संस्कृति तथा भाषाई समुह अथवा समुदाय समझ बुझकर अपने को अलग वर्ग मानकर, धार्मिक, सास्कृतिक भेदो के आधार पर राजनीतिक मांगे रखता हैं अपनी मांगो को राष्ट्रीय तथा सामाजिक हितों से अधिक प्राथमिकता देता हैं उसे साम्प्रदायिकता कहते है।

प्रश्न 3 जातिवाद के सकारात्मक प्रभावो को स्पष्ट कीजिऍ।

उत्तर जातिवाद के सकारात्मक प्रभाव

(1) जातिवाद से लोगो में सामाजिक एवं एकता की भावना का विकास होता है।

(2) जाति व राजनीति के संबधों ने लोगो को एक सुत्र में बॉधने का काम किया है। दूर–दूर रहने वाले जाति के लोग जातीय पंचायतों में एक दूसरे के सम्पर्क में आते है।

(3) जाति की राजनीति ने अधिक लोगो में राजनीतिक सक्रियता पैदा की है। जातीय संगठनो में सक्रिय लोग राजनीति में भी सक्रिय हो जाते है।

(4) जातिवाद के कारण सामाजिक संरचना में परिवर्तन आता है।

(5) जाति की राजनीति में समाज की सस्कृति को प्रभावित किया है। समाज की सभी जातियोंके खान–पान, वेशभुषा, रहन–सहन, आचार–विचार में निम्न जातिया उच्च जातियों के अनुसरण करती है, इससे समाज में सास्कृतिक एकता स्थापित होती है।

प्रश्न 4. निर्णय प्रक्रिया को जाति किस प्रकार प्रभावित करती हैं?

उत्तर भारत में जाति पर आधारीत सगंठन शासन की निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयत्न करते है। अनुसूचित जाति एवं जन जाति के सगंठन प्राप्त आरक्षण की अवधि बढाना चाहते है। जिन जातियो को आरक्षण प्राप्त नही हुआ हैं वे प्राप्त करने के लिये आन्दोलन कर रही हैं,कुछ अपनी जाति को आरक्षित जातियों की सूची मे शामिल कराने हेतु प्रयत्नशील है। कुछ जातिया अपनी मांगो को मनवाने हेतु विभिन्न प्रकार से शासन को प्रभावित करने का प्रयत्न करती है। उदाहरणर्थ गुर्जर आन्दोलन ने उनके लिये 5 प्रतिशत आरक्षण के निर्णय हेतु शासक को बाध्य कर दिया। यद्यपि इसे माननीय न्यायालय द्वारा रद्द किया जा चुका है। इस प्रकार से जातिय सगंठन अपने हितो के अनुसार निर्णय करने तथा अपने हितो के प्रतिकूल होने वाले निर्णयों को रोकने हेतु निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करते है।

प्रश्न 5. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को विविध रूपों में देखा जा सकता है। आपके मतानुसार कोई चार रूपों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

उत्तर भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका के चार रूप निम्न प्रकार है।

(1) निर्णय प्रक्रिया में जाति की प्रभावी भूमिका भारत में जातिया संगठित होकर राजनीतिक व साम्प्रदायिक निर्णय की प्रक्रिया को प्रभावित करती है। उदाहरणार्थ अनुसूचित जातिया तथा जनजातियां संगठित हांकर आरक्षण की सुविधा को और अधिक बढाये जाने के लिए सरकार पर दबाव डालती है।

(2) भारत में चुनाव अभियान में जातिवाद को साधन के रूप के अपनाया जाता हैं, तथाप्रत्याशी जिस निर्वाचन क्षैत्र से चुनाव लड़ रड रहा हैं उस निर्वाचन क्षैत्र में जातिवाद की भावना को उकसाया जाता हैं ताकि सबंधित प्रत्याशी की जाति के मतदाताओं का पूर्ण समर्थन मिल सके।

(3) भारत में चुनाव के समय सभी राजनैतिक दल अपने प्रत्याशीयों का चयन करते समय जातिगत आधार पर निर्णय लेते है।

(4) जातिगत दबाव समुह अनेक जातिय सगंठन और समुदाय जैसे तमिलनाडू में शनाडर जाति सघंर्ष गुजरात में क्षत्रिय महासघं, बिहार में कायस्थ सभा आदि अपने अपने सगंठन बल के आधार पर राजनीतिक सौदेबाजी भी करते है।

प्रश्न 6. जातिवाद लोकतन्त्र के विरूद्व हैं इस कथन के आधार पर आप जातिवाद के चार नकारात्मक प्रभावों की विवेचना कीजिए।

उत्तर जातिवाद प्रजातन्त्र के विकास तथा प्रगति में बंधक हैं। इसकी पुष्टि में निम्न लिखित तर्क दिये जा सकतें है

(1) जातिवाद स्वतन्त्रता, समनता व बंधुत्व जैसे लोकतन्त्रीय मूल्यो को नुकसान पहुॅचाता है। समाज में फूट, विखण्डन व सकीर्ण हितो को प्रोत्साहित करता है।

(2) जातिवाद के कारण सरकार बडे व शक्तिशाली जातीय सगंठन के दबाव में कार्य करती है।

(3) जातिवाद को भावना के कारण नागरिकों की श्रद्वा व भक्ति बँट जाती हैं। लोग राष्ट्रिय हितो के बजाय जातीय हितो को प्राथमिकता देते है।

(4) असुरक्षा की भावना का अभाव – अल्प सरकार जातीयों के लोगो में इसके कारण असुरक्षा की भावना का विकास होता है।

प्रश्न 7. साम्प्रदायिकता के चार कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए?

उत्तर साम्प्रदायिकता के चार कारण निम्नलिखित है –

(1) **विभाजन कटु स्मृतियॉ**– स्वतन्त्रता के समय भारत विभाजन में जो क्षैत्र पाकिस्तान में आये वहॉ से लााखो लोगो को अपना–अपना घर बार,सम्पति सब कुछ छोडकर भागना पडा। कई लोगो की हत्याऍ हुई, महिलाओ व लड़कियों के साथ दुर व्यवहार हुआ, परिवार बिछड गये, बच्चे अनाथ हो गये। इसकी प्रतिक्रिया भारतीय क्षैत्रो में भी हुईं । घटनाओं से प्रभावित लोगो के परिवार आज भी उस भयावह घटनाओं को नही भुल पाये।

(2) **राजनीतिक दलों द्वारा निहित स्वार्थों के लिए प्रथककरण की भावना पनपायी** – स्वतन्ता, प्रगति व विभाजन के पूर्व व पश्चात भारत में कई राजनीतिक दलो व सगंठनो का गठन धार्मिक आधार पर हुआ है। इनमें जमात ए इस्लाम, ऑल इण्डियन मजलिक ए इत्तेहादुल मुसलिम आदि प्रमुख है। इन संगठनो ने अपने निहित राजनैतिक स्वार्थो की पूति के लिए धार्मिक आधार पर रजनीति करना प्रारम्भ कर दिया जिससे एक वर्ग विशेष में अलगाववाद की प्रवृति विकसित हुई।

(3) मुसलमानों की आर्थिक व शैक्षणिक द्वष्टि से पिछडे होने के कारण भी समाज में समप्रदायिक भावना में वृद्वि हुई।

(4) चुनावो में योग्यता की अपेक्षा जाति के आधार पर चुनाव लडना व जातिगत आग्रह के आधार पर मतदान करना जातिवाद का ही परिणाम है। जाति के आधार पर मतदान करने के योग्य उम्मीदवार की उपेक्षा हो जाती हैं और वे चुनाव में हार जाते है।

प्रश्न 8. साम्प्रदायिकता केवल हमारे देश के लिए ही नही अपितु सम्पुर्ण मानवता के लिए एक अभिशाप है। इसे दुर करने हेतु चार उपाय सुझाइये।

उत्तर साम्प्रदायिकता दुर करने हेतु चार सुझाव

(1) सरकार को सदैव इस बात का ध्याान रखना चाहिये कि उसके द्वारा एसा कोई कार्य नही किया जावे जिससे साम्प्रदायिकता को प्रोत्साहन मिले। समानता के सम्बध में आदर्श की बातेकरने की अपेक्षा उसे व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करने का प्रयास किया जाना चाहिये।

(2) भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है, लेकिन शाश्वत नैतिक जीवन मुल्यो की शिक्षा तो सभी के लिये अनिवार्य होनी चाहिये। धर्म विशेष की शिक्षा के स्थान पर देश भक्ति तथा राष्ट्रीयता की भावनापैदा करने वाली शिक्षा होनी चाहिये।

(3) धर्म के आधार पर किसी धार्मिक वर्ग के लिए कोई विशेष रियायते या सुविधाऍ नही दी जाये जिससे अन्य धर्मो के लोगो में ईष्या की भावना पैदा ही।

(4) साम्प्रदायिकता का एक सबसे बडा कारण चुनावों में लाभ की राजनीति है। राजनैतिक दलचुनावी फायदा उठाने हेतु साम्प्रदायिकता को बढावा देते है। इस पर कडा प्रतिबंध होना चाहिये।

प्रश्न 9. साम्प्रदायिकता के कोई चार दुष्परिणाम बताइये।

उत्तर साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम

(1) **राष्ट्रीय एकता में बाधा**– साम्प्रदायिकता राष्ट्रीय एकता तथा भाईचारे की भावना को खत्म करती है। समाज में फुट पैदाकर सामाजिक समरसता को खत्म करती है।

(2) **राष्ट्र की प्रगति तथा समृद्वि के मार्ग में बाधा**– स्वतन्त्रता के बाद भारत के अनेक नगरो में साम्प्रदायिक दगें फैल है। इन नगरों में साम्प्रदायिक घटनाओं के कारण जन–जीवन ठप्प हो जाता है एवं इससे आर्थिक हानि व सरकारी धन का अपव्यय होता है। जो राष्ट्र की प्रगति तथा समृद्वि के मार्ग में बाधा डालता है।

(3) **राष्ट्रीय सुरक्षा को गम्भीर खतरा** –भारत में अल्पसंख्यकों व बहुसंख्यकों के बीच जो साम्प्रदायिक झगडे व तनाव पैदा हाते है उनसे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है।

(4) **निर्दोष व्यक्ति साम्प्रदायिकत हिंसा के शिकार** –निर्दोष महिलाएँ, बच्चो और बुढ़ों झुग्गी झोपडीयों में रहने वाले लोगो को साम्प्रदायिकत हिंसा का शिकार होनो पडता है। साम्प्रदायिक दलोमें सैकडो लोग मारे जाते है एवं हजारों घर उजड जाते है। रांची, श्रीनगर, वाराणसी, अलीगढ़, हैदराबाद, मेरठ, बम्बई आदि दगें इसका उदाहरण हैं जिनमें मरने वालो के अलावा हजारों अपंग व अपाहिज हो गये।

आतंकवाद, राजनीति का अपराधीकरण, भ्रष्टाचार

प्रश्न 1 आतंकवाद को परिभाषित कीजिए।

उत्तर व्यक्ति या व्यक्ति समूह जब अपनी अनुचित मांगो की पुर्ति के लिए व्यापक स्तर पर हिंसा व अशान्ति पर आधारित नकारात्मक प्रयत्न करता है आतंकवाद कहलाता है।

प्रश्न 2 आतंकवाद का उद्देश?

उत्तर भय पैदा करना।

प्रश्न 3 आतंकी संगठनों के नाम लिखिए ।

उत्तर तालीबान, अलकायदा, लिट्टे, खालीस्तान कमान्डों फोर्स ।

प्रश्न 4 आइएसआइएस का सम्बन्ध किस देश से है?

उत्तर पाकिस्तान ।

प्रश्न 5 भारत में वर्तमान में किन राज्यों में आतंकवादी गुट सक्रिय है?

उत्तर भारत में उतरी पुर्वी राज्यों सीमावर्ती राज्यों व जम्मु कश्मीर ।

प्रश्न 6 आतंकवाद मुलतः कैसी प्रवृति है?

उत्तर विखण्डनकारी।

प्रश्न 7 लिट्टे आतंकवादी संगठन किस देश में सक्रिय है?

उत्तर श्रीलंका।

प्रश्न 8 भारत में किस राज्य में सर्वाधिक आतंकी संगठन सक्रिय है?

उत्तर जम्मु कश्मीर ।

प्रश्न 9 'आतंकवादी चाहते है कि बहुत सारे लोग देखे और सारे लोग सुने, न कि बहुत सारे लोग मरे' उक्त कथन किसका है

उत्तर बेजामिन किन्स ।

प्रश्न 10 राजनीतिक अपराधिकरण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर राजनीति में प्रवेश करने, सता प्राप्त करने व सता में बने रहने के लिए राजनीतिज्ञों द्वारा समय समय पर अपराधियों की मदद लेना राजनीतिक अपराधिकरण कहलाता है।

प्रश्न 11 राजनीतिक अपराधिकरण के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर 1 राष्ट्रीय चरित्र का पतन।

2 गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी।

प्रश्न 12 राजनीतिक के अपराधिकरण को रोकने के उपाय बताइएं? कोई दो।

उत्तर 1 त्वरित न्यायिक निर्णयों द्वारा अपराधी तत्वों को चुनाव लडने से प्रतिबन्धित करना।

2 निर्वाचन आयोग का निष्पक्ष और पारदर्शी गठन।

प्रश्न 13 भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है – भ्रष्ट आचरण । इसका अर्थ है कि ऐसा आचरण जो किसी भी दृष्टि से अनैतिक और अनुचित हो।

प्रश्न 14 भ्रष्टाचार क्या है?

उत्तर भ्रष्टाचार का अर्थ है कि कोई व्यक्ति अथवा संगठन अपने निर्धारित कानूनी दायरें से परे जाकर अनुचित ढग से किसी व्यक्ति अथवा संगठन को लाभ पहुंचाये तथा बदले में धन तथा सुविधाएं प्राप्त कर सार्वजनिक हितो को नुकसान पहुंचाए।

प्रश्न 15 भ्रष्टाचार रोकने के लिए कौनसा कानून है?

उत्तर भ्रष्टाचार निरोधक कानून ।

प्रश्न 16 आतंकवादियों का मूल लक्ष्य क्या है?

उत्तर आतंकवादियों का मूल लक्ष्य विधि संगत या वर्तमान को अपदस्थ कर सता से लाभ प्राप्त करना, लोंगो मे भय पैदा करना तथा सता हथियाना है ।

प्रश्न 17 भ्रष्टाचार को कम करने के लिए चुनाव प्रक्रिया में किये गयें कोई दो सुधार बताइए।

उत्तर 1 ईवीएम मशीनों का प्रयोग।

2 चुनाव आचार संहिता लागु करना।

प्रश्न 18 वर्ष 2016 तक भारत में कितने आतंकवादी संगठनों कों प्रतिबन्धित किया गया ।
उत्तर 38 ।
प्रश्न 19 भारत मे 12 मार्च 1993 को किस शहर में आतंकवादी घटना हुई?
उत्तर मुम्बई।
प्रश्न 20 भ्रष्टाचार को रोकने हेतु बनायी गयी संस्था का नाम बताइए।
उत्तर भ्रष्टाचार निरोधक ब्युरो।

गठबन्धन की राजनीति

प्र. 1 भारत में गठबन्धन की राजनीति का प्रारम्भ कब से हुआ?
उत्तर सन् 1977 से।
प्र. 2 डॉ. मनमोहन सिंह की गठबन्धन सरकार जिस गठबन्धन की थी उस गठबन्धन का नाम लिखिए?
उत्तर संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन।
प्र. 3 जनता पार्टी का गठन कब हुआ?
उत्तर 1977 में।
प्र. 4 देश के प्रथम तीन आम चुनावों में किस दल का शासन था?
उत्तर भातरीय राष्ट्रिय कांग्रेस का शासन था।
प्र. 5 भारत में राजनीतिक दलों की दृष्टि से कौनसी व्यवस्था है?
उत्तर बहुदलीय व्यवस्था।
प्र. 6 गठबन्धन की राजनीति के दो लाभ बताइए?
उत्तर 1. शासन निरंकुश नहीं बन पाता।
2. अधिक योग्य लोगों के योगदान का देश को लाभ।
प्र. 7 भारतीय गठबन्धन की राजनीति की दो विशेषताएं बताइए?
उत्तर 1. गठबन्धन मे एक दल की प्रधानता रहती है।
2. गठबन्धन में स्थायित्व नहीं होता।
प्र. 8 गठबन्धन सरकार में दल बदल की प्रकृति से शासन पर क्या प्रभाव पडता है?
उत्तर दल बदल की प्रकृति के कारण शासन के स्थामित्व को खतरा बना रहता है।
प्र. 9 यू. पी.ए. गठबन्धन सरकार में प्रधानमंत्री कौन रहे?
उत्तर डॉ. मनमोहन सिंह।
प्र. 10 एन. डी. ए. गठबन्धन में प्रधान राजनीतिक दल कौनसा है?
उत्तर भारतीय जनता पार्टी।
प्र. 11 वर्तमान में कौनसे गठबन्धन की सरकार है?
उत्तर वर्तमान में एन. डी. ए. गठबन्धन की सरकार है।
प्र. 12 16वीं लोकसभा चुनाव में किस राजनीतिक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत मिला?
उत्तर भारतीय जनता पार्टी को।
प्र. 13 गठबन्धन सरकार से राष्ट्रीय एकता पर क्या प्रभाव पडता है?
उत्तर क्षैत्रीय दलों का प्रभाव बढ जाने के कारण क्षैत्रीय दल अपने क्षैत्रीय हितों को साधने पर अधिक जोर देते है। प्रधानमंत्री उनके दबाव में आने के लिए मजबूर होता है। इस प्रकार क्षैत्रीय हितों पर अधिक दबाव होने से राष्ट्रीय हितों को हानि होती है।
प्र. 14 गठबन्धन किस आधार पर बनते है?
उत्तर गठबन्धन दल एवं सिद्वान्तों के बजाय नेताओं के आधार पर बनते है।
प्र. 15 किस प्रकार के राजनीतिक गठबन्धन अस्थायी होते है?
उत्तर निषेधात्मक आधार पर गठित राजनीतिक गठबन्धन अस्थायी होते है।
प्र. 16 गठबन्धन की राजनीतिक शुरूआत कौनसे आम चुनाव से हुई?
उत्तर चतुर्थ आम चुनाव से गठबन्धन की राजनीतिक शुरूआत हुई।
प्र. 17 वर्तमान में भारतीय राजनीतिक में राजनीतिक दलो की कितनी धाराएँ है?
उत्तर मुख्य तीन धाराएँ है
(1) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन।
(2) यु. पी. ए.
(3) वामपंथी राजनीतिक दल।

प्र. 18 16वीं लोकसभा के चुनाव के बाद गठबन्धन एन. डी. ए. में कौन कौन से रजनीतिक दल शामिल है?

उत्तर (1) भा.ज.पा. (2) लोक जन शक्ति (3) तेलगु देशम
(4) अकाली दल (5) ए. डी. (6) आई. एल. एस. पी.
(7) शिव सेना।

प्र. 19 यु. पी. ए. में शामिल राजनीतिक दलों के नाम लिखिए?

उत्तर (1) कांग्रेस (2) राष्ट्रीय कांग्रेस (3) राष्ट्रीय जनतादल
(4) झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (5) आई. यु. एम. एल. (6) केरल कांग्रेस।

प्र. 20 16वीं लोकसभा में किस राजनीतिक गठबन्धन को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ?

उत्तर एन. डी. ए. को।

भारत की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएँ एवं गुट निरपेक्षता

प्रश्न 1 भारतीय विदेश नीति का जनक किसे कहा जाता है?

उत्तर पं. जवाहर लाल नेहरू।

प्रश्न 2 भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 का संबंध किससे है?

उत्तर विदेश नीति से।

प्रश्न 3 पंचशील सिद्धान्तों पर किन दो देशों ने हस्ताक्षर किये?

उत्तर भारत और चीन ने।

प्रश्न 4 बांडुग सम्मेलन किस वर्ष हुआ?

उत्तर वर्ष 1955

प्रश्न 5 गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक कौन थे?

उत्तर नेहरू, नासिर, टीटो।

प्रश्न 6 भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के किस अंग की स्थाई सदस्यता की मांग कर रखी है?

उत्तर सुरक्षा परिषद।

प्रश्न 7 U.N.O का पूरा नाम बताइये।

उत्तर यूनाइटेड नेशन्स ऑर्गेनाइजेशन/ संयुक्त राष्ट्र संघ।

प्रश्न 8 गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शुरूआत किस सम्मेलन से हुई?

उत्तर बेलग्रेड सम्मेलन (1961) से ।

प्रश्न 9 1960 में सिंधु जल समझौता किन दो देशों के मध्य हुआ?

उत्तर भारत और पाकिस्तान के मध्य।

प्रश्न 10 दो पंचशील सिद्धान्त बताइये।

उत्तर 1) अनाक्रमण
2) शांतिपूर्ण सह अस्तित्व

प्रश्न 11 बेलग्रेड सम्मेलन (1961) में कितने राष्ट्रों ने भाग लिया था?

उत्तर 25 देशों ने।

प्रश्न 12 162 Enclaves विवाद किन दो देशों से संबंधित है?

उत्तर भारत – बांग्लादेश।

प्रश्न 13 सोवियत संघ का विघटन किस वर्ष हुआ?

उत्तर 1991

प्रश्न 14 भारत ने "ऑपरेशन नीर" किस देश के लिए चलाया?

उत्तर "मालदीव"।

प्रश्न 15 पंचशील सिद्धांतों की घोषणा कब हुई?

उत्तर 29 अप्रैल 1954 को।

प्रश्न 16 भारतीय विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व।

प्रश्न 17 भारत की विदेश नीति में गुट –निरपेक्षता को अपनाने का प्रमुख कारण क्या था?

उत्तर की भारत किसी एक गुट से जुड़कर विश्व में तनाव की स्थिति उत्पन्न करने का पक्षधर नहीं था, इसलिये, गुट निरपेक्षता नीति को अपनाया।

प्रश्न 18 गुट निरपेक्षता का अर्थ बताइये।

उत्तर विश्व के किसी भी शक्ति गुट के साथ न जुड़कर स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करना।

OBO BHINDER

प्रश्न 19 भारत की मौजुदा विदेश नीति किस नीति का अनुसरण कर रही है?

उत्तर वर्तमान विदेश नीति ''आतंकवाद के प्रति जीरो टोलरेंस'' की नीति ।

प्रश्न 20 भारतीय विदेश नीति की "लुक ईस्ट" की नीति अब किस रूप में बदल गई है?

उत्तर "लुक ईस्ट" की नीति "एक्ट ईस्ट" में बदल गई है।

प्रश्न 21 भारत – चीन के मध्य युद्ध किस वर्ष हुआ?

उत्तर 1962 में।

प्रश्न 22 भारत – पाकिस्तान के मध्य युद्ध किस वर्ष हुआ?

उत्तर – 1948, 1965, 1971 एवं 1999 कारगिल विवाद।

प्रश्न 23 बांग्लादेश को स्वतंत्रता कब मिली?

उत्तर 16 दिसम्बर 1971

प्रश्न 24 सह–अस्तित्व का भावार्थ है–

उत्तर जीओ और जीने दो।

प्रश्न 25 किस वर्ष भारत ने गुट–निरपेक्षता के शिखर सम्मेलन का प्रथम बार आयोजन किया?

उत्तर 1983 में।

लघुत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 1 पंचशील के सिद्धान्तो पर टिप्पणी लिखिये।

उत्तर पंचशील सिद्धान्तों का प्रतिपादन 29 अप्रेल 1954 को भारत और चीन के प्रधानमंत्रियों ने तिब्बत के सम्बन्ध में एक समझौते पर हस्ताक्षर करके किया।

पंचशील सिद्धान्त :–

1. एक–दूसरे देश की प्रादेशिक अखण्डता और सर्वोच्च सत्ता के लिये पारस्परिक सम्मान की भावना।
2. अनाक्रमण।
3. एक–दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।
4. समानता।
5. शांतिपूर्ण सहअस्तित्व।

प्रश्न 2 उपनिवेशवाद क्या है?

उत्तर उपनिवेशवाद से आशय है –जब कोई महाशक्ति या शक्तिशाली राष्ट्र किसी अन्य देश को अपने अधीन कर या गुलाम बनाकर उसका शोषण करता है। उसे उपनिवेशवाद कहा जाता है।

प्रश्न 3 रंगभेद से आप क्या समझते है

उत्तर ढंग सरकार द्वारा अपने नागरिको की नस्ल या चमड़ी के रंग के आधार पर भेदभावपूर्ण कानून बनाना, उन्हे भेदभाव पूर्ण से लागू करना, उन्हे नागरिक व राजनैतिक अधिकार प्रदान नहीं करना रंगभेद कहलाता है। दक्षिणी अफ्रीका की गोरी सरकार रंगभेद की नीति के लिए कुख्यात रही, जिसका भारत सहित सभी विकासशील देशों ने विरोध किया।

प्रश्न 4 गुट–निरपेक्षता का अर्थ बताइये।

उत्तर स्वतंत्र है। <u>गुट–निरपेक्षता का अर्थ</u>– किसी भी वैश्विक गुट में शामिल न होते हुये, अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुये विदेश नीति का संचालन करना गुट–निरपेक्षता कहलाता है। यह शक्ति गुटो से अलग रहने की सक्रिय विदेश नीति यह सकारात्मक नीति है अर्थात जो उचित और न्यायसंगत है।

प्रश्न 5 सह–अस्तित्व के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।

उत्तर भारत की विदेशनीति शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व पर बल देती है। भारत की यह धारणा रही है कि विश्व में परस्पर विरोधी विचारधाराओं में सहअस्तित्व रहे। इसी नीति पर चलते हुये हमने विश्व में अपनी भूमिकाएँ तय की है। पडौसी राष्ट्रों के साथ हमारे रिश्ते भी इसी नीति से प्रभावित हो रहे हैं। सह–अस्तित्व के विचार में हमारी भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र "जीओ और जीने दो" का दर्शन होता है।

प्रश्न 6 भारतीय विदेश नीति की किन्ही चार विशेषताओ को लिखिए।

उत्तर
1. अंतराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में आस्था।
2. शांतिपूर्ण सहअस्तित्व एवं पंचशील की नीति में आस्था।
3. रंगभेद के विरोध की नीति।
4. साम्राज्यवाद विरोधी नीति।

प्रश्न 7 संयुक्त राष्ट्र शांति प्रयासों में भारत के योगदान के सम्बन्ध में कोई तीन तर्क दीजिये।

उत्तर
1. आंतकवाद की समाप्ति एवं मानवाधिकारों की सुरक्षा में योगदान।
2. पर्यावरण संरक्षण में योगदान।
3. रंगभेद की नीति का विरोध।

प्रश्न 8 मोदी सरकार के विदेशनीति सम्बन्धी मूल–सिद्धान्त कौन–कौन से है।

उत्तर निरन्तर वार्ता, आर्थिक समृद्धि को प्रोत्साहन, भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि, राष्ट्रीय सुरक्षा का समर्थन तथा भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की मान्यताओं को प्रोत्साहन आदि मोदी सरकार की विदेश नीति के मूल आधार हैं।

प्रश्न 9 भारत की विदेश–नीति में गुट निरेपक्षता को अपनाने के कारणों पर प्रकाश डालिये।

उत्तर 1. भारत किसी एक गुट से जुडकर विश्व में तनाव की स्थिति उत्पन्न करने का पक्षधर नहीं रहा है।

2. अन्तराष्ट्रीय राजनीति में स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण।

3. भारत अपने आर्थिक विकास के लिए दोनों ही शक्तियों से बराबरी के सम्बन्ध बनाए रखने का पक्षधर रहा है।

4. गुट निरपेक्षता की नीति भारत की सामाजिक, सामरिक, भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक मांगों के अनुरूप थी।

प्रश्न 10 भारत–रूस के सम्बन्धों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर यद्यपि भारत व रूस दोनों परम्परागत मित्र रहे है, लेकिन 1991 में पूर्व सोवियत संघ के विघटन व भारत द्वारा समाजवादी अर्थशास्त्र के स्थान पर बाजारोन्मुखी वैश्वीकरण की अर्थव्यवस्था को अपनाने से दोनों के परम्परागत सम्बन्धों में पुरानी प्रगाढता में कमी आई है। भारत आज भी अपने अधिकांश सैन्य, साजो–सामान व उपकरणों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रूस पर निर्भर है।

प्रश्न 11 भारतीय विदेश नीति के किन्ही तीन नवीन आयामो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर 1. निरन्तरता

2. आंतकवाद के प्रति जीरो टोलरेन्स की नीति का अनुसरण

3. भ्रष्टाचार का अंत

प्रश्न 12 "गुट निरपेक्ष आंदोलन आज भी प्रांसगिक है" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1. सम्प्रभु राष्ट्रों की समानता व संप्रभुता की सुरक्षा की दृष्टि से प्रांसगिक।

2. अन्तराष्ट्रीय समस्याओं के लिए प्रभावी मंच प्रदान करना।

3. दक्षिण – दक्षिण सहयोग।

4. राजनैतिक मूल्यो का आदान – प्रदान।

प्रश्न 13 वर्तमान सरकार की विदेश नीति की कोई दो उपलब्धिया बताइये।

उत्तर 1. भारत व बांग्लादेश के मध्य 162 भू – गलियारो (Enclaves)विवाद का समाधान।

2. भारत, पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक पटल पर अलग – थलग करने में काफी हद तक सफल रहा है।

प्रश्न 14 मध्यपूर्व के प्रति भारतीय विदेश नीति का समीक्षा कीजिए।

उत्तर भारत का मध्य – पूर्व देशों के साथ ऐतिहासिक जुडाव रहा है। भारत मे आंतकवाद का प्रभाव वहीं से आया है। धर्मान्धता व कट्टरवार भी मध्य – पूर्व के देशों से अफगानिस्तान व पाकिस्तान के माध्यम से भारत में प्रसारित हुआ । मध्य – पूर्व के देशो में एक ओर सऊदी अरब और ईराक आदि देश हैं, जहां सुन्नी विचारधारा का वर्चस्व है, वही दूसरी ओर ईरान है, जहा शिया विचारधारा का वर्चस्व है। खाडी के लगभग सभी देश तेल का उत्पादन करते हैं और इसी प्रकार उनकी अर्थव्यवस्था तेल के कारण सुदृढ़ है। भारत ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति के लिये मध्य –पूर्व के देशों पर निर्भर है। इसलिये भारत के लिये मध्य–पूर्व के प्रति एक संतुलित विदेशनीति की आवश्यकता है।

प्रश्न 15 भारतीय विदेश नीति की किन्ही दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर 1 <u>शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की नीति</u> – भारत की विदेश नीति सदैव शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की रही है। 1956 में स्वेज नहर संकट, 1967 का अरब – इजराइल युद्ध, 1960 का सिंधुजल समझौता, 1965–1971 में पाकिस्तान से टकराव के पलो में भी हमने इस नीति को कभी नहीं छोडा।

2. <u>रंगभेद के विरोध की नीति</u> – विश्व में नस्ल व मनुष्य के रंग के आधार पर भेदभाव का विरोध करना भी हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है।

संयुक्त राष्ट्र संघ संगठन एवं विश्वशान्ति स्थापना में योगदान

प्रश्न 1. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई।

प्रश्न 2 अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय किस शहर मं है?

उत्तर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय 'हेग' में है।

प्रश्न 3 सुरक्षा परिषद ्मे ंअस्थायी सदस्युं की संख्या कितन ी है?.

उत्तर सुरक्षा परिषद् में अस्थायी सदस्यों की संख्या 10 है।

प्रश्न 4. संयुक्तराष्ट्र सुरक्षा परिषद ्के स्थायी सदस्यो ंकी विशेष शक्ति का क्या नाम है?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ्के स्थायी सदस्यों की विशेष शक्ति को 'वीटोशक्ति" के नाम से जाना जाताहै।

प्रश्न 5 वर्तमान मे ंयूएन महासचिव कौन हैं?

उत्तर वर्तमान मे ंयूएन के महासचिव एन्टोनियो गुटरस है

प्रश्न 6. संयुक्त राष्ट्र दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है।

प्रश्न 7. संयुक्त राष्ट्र की महासभा की पहली बैठक कब व कहाँ हुई थी?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र की महासभा की पहली बैठक 10 जून,1946 के लंदन मे हुई थी।

प्रश्न 8. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में कितने राष्ट्र शामिल थे? उनके नाम बताइए।

उत्तर संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में पाँच राष्ट्र शामिल थे।इनके नाम हैंसंयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस तथा ब्रिटेन।

प्रश्न 9 संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के कितनी धाराऐं व कितने भाग है?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के 111 में धाराऐं, 19 भाग है।

प्रश्न 10. संयुक्त राष्ट्र संघ के कोइ दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर 1 अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखना .

2 समान अधिकारो के लिए आदर एव मित्रता पूर्ण संबंध स्थापित करना।

प्रश्न 11. संयुक्त राष्ट्र संघ के कोई दो सिद्धान्त लिखिए।

उत्तर : 1 सभी सदस्यों की प्रभुसत्ता का सम्मान करना,

2 आपसी झगड़ो का शांतिपूर्ण ढंग से निपटारा करना।

प्रश्न 12 संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी देश की सदस्यता किस आधार प्रदान की जाती है?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी देश की सदस्यता महासभा द्वारा सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर प्रदान जाती है

प्रश्न 13 सम्पूर्ण विश्व की नगर बैठक के नाम से संयुक्त राष्ट्र संघ के किस अंग को जाना जाता है?

उत्तर महासभा का।

प्रश्न 14. संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य किसके भी सदस्य होते हैं?

उत्तर संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य 'महासभा' के भी सदस्य होते हैं।

प्रश्न 15. महासभा में कोई भी राष्ट्र अपने कितने प्रतिनिधि भेज सकता है?

उत्तर पाँच प्रतिनिधि।

प्रश्न 16. महासभा की कोई दो शक्तियाँ बताइए।

उत्तर 1 अन्तर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा से संबंधित मामलो पर विचार विमर्श, 2 संयुक्त राष्ट्र संध का बजट पारित करना।

प्रश्न 17 महासभा के सभापति को किस आधार पर चुना जाता है?

उत्तर महासभा के सभापति को व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर चुना जाता है।

प्रश्न 18. महासभा के प्रथम सभापति कौन थे?

उत्तर बेल्जियम के 'मि. पॉलस्पूक' महासभा के प्रथम सभापति थे।

प्रश्न 19 महासभा की महासमिति का निर्माण कैसे होता है?

उत्तर 17 उपाध्यक्षो तथा 7 स्थायी समितिया के सभापतियो को मिलाकर एक महासमिति बनती है।

प्रश्न 20 महासभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए कौन कौन होता है?

उत्तर महासभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए महासभा मे चीफ डि कैबिनेट होता है।

प्रश्न 21. सुरक्षा परिषद के कोई दो कार्य लिखिए।

उत्तर 1 अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा से संबंधित निर्णय लेना, 2 विवादो का शांति पूर्ण ढंग से निपटारा करना।

प्रश्न 22 संयुक्त राष्ट्र क अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की नई सदस्यता के लिए कौन कौन सी शर्ते लगाई जाती हैं?

उत्तर 1 संविधान तथा न्यायालय के संबंध में अन्य प्रतिबन्धो को स्वीकार करना,

2 महासभा द्वारा अनुमानित व्यय मे अपना योगदान देना।

प्रश्न 23 कौन भारतीय वर्तमान में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश है?

उत्तर जस्टिस दलवीर भंडारी

प्रश्न 24 संयुक्त राष्ट्र संघ की किन्ही दो प्रमुख एजेन्सियो के नाम लिखिए।

उत्तर यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य सगठन

प्रश्न 25. यूनेस्को का पूर्ण नाम बताइए।

उत्तर "संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एव सांस्कृतिक संगठन।"

प्रश्न 26. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व शांति की सुरक्षा के लिए किन किन समस्याओं का हल करने के प्रयास किए गए? किन्हीं दो का नाम लिखिए।

उत्तर ईरान समस्या, कांगो संकट।